इंदौर, भोपाल से एक साथ प्रकाशित

मृदुभाषी

सच्ची ख़बरें, सलीके के साथ



04
चंदा कोचर को बॉम्बे हाईकोर्ट से राहत

03
प्रीतम सिंह लोधी के बेटे को मिली जमानत



youtube.com/mradubhashi x.com/mradubhashi1 facebook.com/mradubhashi

इंदौर, गुरुवार, 19 नवम्बर 2026 नगर संस्करण, वर्ष: 07, अंक: 61, पृष्ठ: 08, मूल्य: 5:00 रूपए

मृदुभाषी एक्सप्लेनर

जून से नवंबर तक सोने में करीब 14% और चांदी में 35% से ज्यादा की गिरावट, अगस्त में तेजी के बाद लगातार कमजोर

छह महीने में सोना 22 हजार और चांदी 92 हजार टूटी, नवंबर में भी नहीं थमी गिरावट

मृदुभाषी। नई दिल्ली

सोने और चांदी की कीमतों में जारी गिरावट ने सराफा बाजार से लेकर निवेशकों तक को चौंका दिया है। कभी रिकॉर्ड ऊंचाई की ओर तेजी से बढ़ रही दोनों कीमती धातुएं अब लगातार नीचे फिसल रही हैं। 18 नवंबर को सोने और चांदी में लगातार छठे दिन गिरावट दर्ज की गई।

सोना 2,696 रुपये टूटकर करीब 1.32 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि चांदी 4,665 रुपये गिरकर करीब 1.65 लाख रुपये प्रति किलो रह गई। लेकिन इस गिरावट की असली तस्वीर पिछले छह महीनों के आंकड़ों में दिखाई देती है। जून से नवंबर के बीच सोने की कीमत में करीब 22 हजार रुपये और चांदी में लगभग 92 हजार रुपये की कमी आई है। यानी चांदी की कीमतों में सोने के मुकाबले कहीं ज्यादा तेज गिरावट दर्ज हुई है।

छह महीनों में कब और कैसे लुढ़के सोना-चांदी?

महीना (2026)	सोना (प्रति 10 ग्राम)			चांदी (प्रति किलो)		
	शुरुआती भाव	अंतिम भाव	बदलाव	शुरुआती भाव	अंतिम भाव	बदलाव
जून	₹1,56,086	₹1,41,286	-9.48%	₹2,61,088	₹2,25,425	-13.66%
जुलाई	₹1,41,632	₹1,42,860	+0.87%	₹2,25,430	₹2,18,295	-3.17%
अगस्त	₹1,42,557	₹1,55,835	+9.31%	₹2,17,287	₹2,37,199	+9.16%
सितंबर	₹1,53,183	₹1,47,888	-3.46%	₹2,30,419	₹2,20,435	-4.33%
अक्टूबर	₹1,48,138	₹1,40,054	-5.46%	₹2,20,829	₹1,81,344	-17.88%
नवंबर*	₹1,37,524	₹1,34,201	-2.42%	₹1,79,972	₹1,69,171	-6.00%

अगस्त में लौटी थी तेजी, अक्टूबर में सबसे बड़ी गिरावट: छह महीने के आंकड़ों पर नजर डालें तो जुलाई और अगस्त में बाजार ने कुछ समय के लिए वापसी की थी। अगस्त में सोना 9.31 प्रतिशत और चांदी 9.16 प्रतिशत महंगी हुई। लेकिन यह तेजी ज्यादा समय तक कायम नहीं रह सकी। सितंबर में दोनों धातुओं में गिरावट शुरू हुई और अक्टूबर में चांदी को सबसे बड़ा झटका लगा।

(IBJA) आधारित ऐतिहासिक आंकड़ों के मुताबिक, जून में सोना 1,56,086 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो 17 नवंबर तक घटकर 1,34,201 रुपये रह गया। छह महीने की इसी अवधि में चांदी 2,61,088 रुपये प्रति किलो से घटकर 1,69,171 रुपये पर आ गई।

क्यों कमजोर पड़ रहा है बाजार?

अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की मजबूती, ऊंचे ब्याज दरों की आशंका और बड़े निवेशकों की मुनाफावसूली को सोने की गिरावट के प्रमुख कारण माना जा रहा है। चांदी पर औद्योगिक मांग और वैश्विक आपूर्ति का असर भी पड़ रहा है।

आगे भी जारी रहेगी गिरावट?

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले समय में डॉलर की चाल, अमेरिकी ब्याज दरों और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों से सोने-चांदी की दिशा तय होगी। फिलहाल छह महीने के आंकड़े बताते हैं कि चांदी में गिरावट सोने से कहीं ज्यादा तेज रही है। खरीदारों को राहत जरूर मिली है, लेकिन बाजार में अभी उतार-चढ़ाव बने रहने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

जम्मू-कश्मीर में बड़ा एनकाउंटर

सीआरपीएफ पर फायरिंग करने वाला तीफ भट ढेर

एजेंसी। श्रीनगर



जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के देवसर इलाके में सुरक्षाबलों ने बुधवार को एक मुठभेड़ के दौरान प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के कुख्यात आतंकवादी लतीफ भट को ढेर कर दिया। यह आतंकवादी पिछले दिनों सीआरपीएफ पोस्ट पर हुई फायरिंग की घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था और अंतिम कार्रवाई के दौरान एक स्थानीय मस्जिद के भीतर छिपा हुआ था। सुरक्षाबलों ने अत्यंत सूझबूझ और संयम का परिचय देते हुए न केवल आतंकी को मार गिराया, बल्कि मस्जिद से सटे दारुल उलूम (धार्मिक शिक्षण संस्थान) में मौजूद 25 छात्राओं और 2 शिक्षकों को भी पूरी तरह सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

घटनाक्रम के अनुसार, मारे गए आतंकी लतीफ भट ने अपने साथी उमर निसार डार के साथ मिलकर गत 11 नवंबर को नौपोरा अखरान में सीआरपीएफ की एक पोस्ट पर अंधाधुंध फायरिंग की थी, जिसमें सुरक्षाबल के 3 जवान घायल हो गए थे। इस वारदात के बाद से दोनों आतंकवादी फरार चल रहे थे। गत 16 नवंबर को अखरान के लारू इलाके में सुरक्षाबलों ने जब दोनों को घेर लिया, तो हुई मुठभेड़ में उमर निसार मारा गया था, जबकि पैर में गोली लगने के बावजूद लतीफ भट भाग निकलने में कामयाब रहा था। इसके बाद से सुरक्षाबलों द्वारा पूरे क्षेत्र में व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। बुधवार को खुफिया इनपुट के आधार पर सुरक्षाबलों को लतीफ भट के देवसर के जांगलपोरा गांव की एक मस्जिद में छिपे होने की पुख्ता जानकारी मिली।



हर जरूरतमंद तक सरकारी लाभ पहुंचाने पर दिया जोर

मंत्रिपरिषद की अहम बैठक: मोदी ने लिया योजनाओं का जायजा

मृदुभाषी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिपरिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी कैबिनेट मंत्रियों के साथ-साथ राज्यमंत्री और स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्री शामिल हुए। बैठक के दौरान गृह और वित्त मंत्रालय समेत कुल 11 प्रमुख मंत्रालयों और विभागों के सचिवों ने विभिन्न विकास कार्यों व नीतिगत मुद्दों पर विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया। प्रधानमंत्री ने मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा करते हुए सरकारी योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया और स्पष्ट निर्देश दिया कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर खड़े हर जरूरतमंद व्यक्ति तक अनिवार्य रूप से पहुंचना चाहिए। बैठक में गरीबी उन्मूलन की दिशा में सरकार की योजनाओं की सफलता पर विशेष चर्चा हुई और विश्व बैंक की रिपोर्ट का भी उल्लेख किया गया। इस रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में करीब 50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं और इस अवधि के दौरान अत्यधिक गरीबी की दर में 90 प्रतिशत की ऐतिहासिक कमी दर्ज की गई है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में इस बात पर भी मंथन किया गया कि इतने बड़े पैमाने पर लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में किस तरह कामयाबी मिली और देश से नक्सलवाद को समाप्त करने में मिली सफलता के क्या प्रमुख आधार रहे। इसके अतिरिक्त, बैठक में सुशासन, प्रशासनिक कामकाज में सुधार तथा महिलाओं और युवाओं तक सरकारी योजनाओं की सीधी पहुंच सुनिश्चित करने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

हजारों कर्मचारियों और अभ्यर्थियों को मिली सीधी राहत

मध्यप्रदेश मे 25 साल पुराना नियम खत्म

तीसरी संतान होने पर अब नहीं जाएगी सरकारी नौकरी

संघ कर चुका था नियम में संशोधन की वकालत

मृदुभाषी। भोपाल

मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार ने सरकारी भर्ती और शासकीय सेवा से जुड़े करीब ढाई दशक पुराने दो बच्चों के नियम को समाप्त करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को मंदसौर के गांधीसागर में आयोजित डेस्टिनेशन कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को औपचारिक मंजूरी दे दी गई। इस निर्णय के बाद अब राज्य में सरकारी नौकरी पाने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए तीसरी संतान होना अपात्रता का कारण नहीं बनेगा, साथ ही पहले से कार्यरत सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ इस आधार पर चल रही विभागीय कार्रवाई भी समाप्त हो जाएगी। कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि पुराने नियमों के कारण शासकीय सेवकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था और जब समाज के अन्य वर्गों पर ऐसी कोई बाध्यता नहीं है, तो सरकारी कर्मचारियों पर यह प्रतिबंध लागू रखने का कोई औचित्य नहीं है।



26 जनवरी 2001 से लागू था नियम, नई भर्ती से लेकर सेवारत कर्मियों तक लटकती थी तलवार

राज्य में जनसंख्या नियंत्रण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से तत्कालीन दिग्विजय सिंह सरकार ने 26 जनवरी 2001 को दो बच्चों की अनिवार्यता का यह नियम लागू किया था। इसके तहत यदि किसी व्यक्ति की दो से अधिक जीवित संतान थीं और उनमें से किसी एक का जन्म इस तारीख या इसके बाद हुआ था, तो उसे सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य माना जाता था। यह कड़ा प्रावधान केवल नई भर्तियों तक सीमित नहीं था, बल्कि मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के तहत सेवारत कर्मचारियों पर भी लागू होता था। इसके कारण वर्षों से नौकरी कर रहे कर्मचारियों के सामने भी तीसरी संतान के जन्म के बाद विभागीय जांच और सेवा समाप्ति तक का संकट खड़ा हो जाता था, जिसे लेकर कर्मचारी संगठन लंबे समय से विरोध जता रहे थे।

विदिशा में 954 शिक्षकों को नोटिस और सिंगरौली में बर्खास्तगी से गरमाया था मुद्दा: इस 25 साल पुराने नियम की जटिलताओं के कारण कर्मचारियों को कई बार बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। अप्रैल 2022 में विदिशा जिले में स्कूल शिक्षा विभाग ने तीसरी संतान के मामले में एक साथ 954 शिक्षकों और कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिए थे, जिससे पूरे प्रदेश में हड़कंप मच गया था। वहीं, जून 2026 में सिंगरौली में पदस्थ सब रजिस्ट्रार अशोक सिंह परिहार को भी तीसरी संतान के आधार पर सेवा से बर्खास्त किए जाने का मामला सामने आने के बाद यह विषय एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ गया था।

नियमों में होगा संशोधन | **लेकिन पहले जारी हो चुके अंतिम बर्खास्तगी आदेश नहीं खुलेंगे**

कैबिनेट के इस फैसले के तहत सरकार ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 के नियम 6 के उपनियम (6) को हटाने तथा आचरण नियम, 1965 के नियम 22 के उपनियम (4) से संबंधित स्पष्टीकरण को विलोपित करने की मंजूरी दी है। इस बदलाव से वर्तमान में केवल दो से अधिक संतान होने के आधार पर कर्मचारियों के खिलाफ चल रही सभी अनुशासनात्मक कार्रवाई तत्काल प्रभाव से खत्म हो जाएंगी। हालांकि, सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन मामलों में सक्षम प्राधिकारी पहले ही अंतिम दंडादेश यानी बर्खास्तगी का आदेश जारी कर चुका है, उन पुराने प्रकरणों को दोबारा नहीं खोला जाएगा। तृतीय वर्ग कर्मचारी संगठन के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए मांग की है कि सरकार को पुराने बर्खास्त कर्मचारियों की बहाली पर भी सहानुभूतिपूर्वक विचार करना चाहिए, ताकि सभी प्रभावितों को पूर्ण न्याय मिल सके।

व्यापारियों को 11 हजार करोड़ के नुकसान का दावा

मृदुभाषी। नई दिल्ली

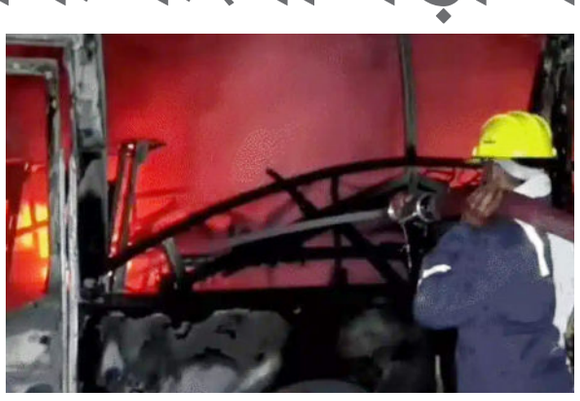
दिल्ली में पिछले महीने हुए विभिन्न राजनीतिक और छात्र संगठनों के विरोध प्रदर्शनों से व्यापारियों को हुए भारी आर्थिक नुकसान के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित पक्षों से जवाब तलब किया है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली किराना कमेटी और दिल्ली आयरन एंड हार्डवेयर मर्चेंट एसोसिएशन की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (AAP), कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (AISA) को नोटिस जारी किया है। व्यापारी संगठनों ने अपनी याचिका में कहा है कि जंतर-मंतर और रामलीला मैदान में आयोजित होने वाले इन बड़े विरोध प्रदर्शनों के कारण स्थानीय व्यापारियों के कारोबार को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, रामलीला मैदान के आसपास देश के कई बड़े थोक बाजार स्थित हैं, जहां प्रदर्शनों के दौरान आवाजाही बाधित होने से व्यापार पूरी तरह ठप हो जाता है, इसलिए सुरक्षा और व्यापारिक हितों को देखते हुए यहां प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। याचिका में पिछले महीने की घटनाओं का हवाला देते हुए बताया गया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और एसआईआर (SIR) के विरोध में सीजेपी ने 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर मार्च का आह्वान किया था।

एग्रीकल्चर कॉलेज के सामने स्थित चार्टर्ड बस डिपो में भीषण आग

चार से पांच बसें जलकर खाक दो घंटे तक करना पड़ी मशक्कत

मृदुभाषी। इंदौर

शहर में एग्रीकल्चर कॉलेज के सामने स्थित चार्टर्ड बस डिपो में बुधवार देर रात करीब 2 बजे भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग ने इतनी तेजी से विकराल रूप धारण किया कि देखते ही देखते डिपो में खड़ी चार से पांच चार्टर्ड बसें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। हादसे के वक्त डिपो परिसर में आई-बस और चार्टर्ड कंपनी की कई अन्य बसें भी मौजूद थीं, जिससे आग के अन्य वाहनों तक फैलने का बड़ा खतरा पैदा हो गया था। आसमान में



धुएं का घना गुबार उठता देख डिपो कर्मचारियों और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, डिपो परिसर के पास पड़े कचरे में अचानक आग लग गई थी और रात में चल रही तेज हवा के कारण लपटें तेजी से फैलते हुए पास में खड़ी बसों तक जा पहुंचीं। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें दमकल वाहनों के साथ मौके पर पहुंचीं और मोर्चा संभाला। इस दौरान डिपो में खड़ी अन्य बसों को आग की चपेट में आने से बचाने के लिए तुरंत सुरक्षित दूरी पर हटवाया गया। दमकलकर्मियों द्वारा करीब दो घंटे तक लगातार पानी की बौछार करने और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका।

देवबंद के उलेमा ने जताया कड़ा विरोध

पहले खुद अपना मजहब स्पष्ट करें जावेद अख्तर

मृदुभाषी। देवबंद



मशहूर गीतकार और लेखक जावेद अख्तर के एक ताजा बयान पर जमीयत दावतुल मुसलीमीन के संरक्षक मौलाना कारी इस्हाक गोरा ने कड़ा विरोध जताया है। जावेद अख्तर ने हाल ही में फिल्म 'रामायण' के संगीत से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए कहा था कि हिंदुस्तान के हर आदमी के खून में राम मौजूद हैं, चाहे उसका कोई भी मजहब क्यों न हो। इस टिप्पणी पर पलटवार करते हुए देवबंद के मौलाना कारी इस्हाक गोरा ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा कि जावेद अख्तर को हर मुद्दे पर मौकापरस्ती की बयानबाजी बंद करनी चाहिए और दूसरों के मजहब पर टिप्पणी करने से पहले खुद अपना मजहबी रुख स्पष्ट करना चाहिए। मौलाना कारी इस्हाक गोरा ने अपने बयान में कहा कि भारत एक बहुधार्मिक और बहुसांस्कृतिक देश है, जहां विभिन्न धर्मों और विचारधाराओं के लोग सदियों से मिलजुलकर साथ रहते आए हैं।

अंडरग्राउंड मेट्रो के काम ने पकड़ी रफ्तार एलिवेटेड ट्रैक से जुड़ेगा एयरपोर्ट स्टेशन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शहर में अंडरग्राउंड मेट्रो के निर्माण कार्य ने अब तेजी पकड़ ली है। हालांकि, पूरे अंडरग्राउंड ट्रैक पर मेट्रो का संचालन निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद ही शुरू हो सकेगा, लेकिन आगामी सिंहस्थ महापर्व को ध्यान में रखते हुए एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन को उससे पहले ही एलिवेटेड ट्रैक से जोड़ने की तैयारी है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य यह है कि सिंहस्थ के दौरान हवाई मार्ग से इंदौर आने वाले श्रद्धालु और यात्री सीधे मेट्रो के माध्यम से इंदौर-उज्जैन रोड स्थित स्टेशन तक सुगमता से पहुंच सकें। इसके लिए सुपर कॉरिडोर जंक्शन तक ट्रैक बनकर तैयार हो चुका है और अब इसे अंडरग्राउंड स्टेशन से जोड़ने के लिए स्लोप का निर्माण किया जा रहा है।

जमीन से 20 मी. नीचे 5.8 मी. व्यास की सुरंग

अंडरग्राउंड रूट के जिस हिस्से में खुदाई की जा रही है, वह पूरी तरह से चट्टानी क्षेत्र है। यहां अत्याधुनिक टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) जमीन से 20 मीटर



नीचे 5.8 मीटर व्यास की सुरंग तैयार कर रही है, जिसके भीतर से मेट्रो ट्रेन गुजरेगी। अब तक लगभग 100 मीटर क्षेत्र में सुरंग का निर्माण पूरा हो चुका है और इसके समानांतर अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन का काम भी तेजी से जारी है।

यह मशीन एयरपोर्ट से बड़ा गणपति के बीच करीब साढ़े तीन किलोमीटर लंबा भूमिगत रूट तैयार करेगी, जिसमें कुल चार स्टेशन बनाए जाएंगे। इस रूट पर मल्हारगंज में भी एक प्रमुख स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है। इस तरह एयरपोर्ट स्टेशन एक तरफ एलिवेटेड कॉरिडोर से जुड़ेगा, तो दूसरी तरफ यह भूमिगत मार्ग से मल्हारगंज स्टेशन से भी जुड़ जाएगा।

पश्चिमी दिशा के ट्रैक से जोड़े जाने की योजना

मेट्रो के इस अंडरग्राउंड हिस्से को शहर की पश्चिमी दिशा के ट्रैक से जोड़े जाने की योजना है, जिससे मेट्रो में यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। वर्तमान में मेट्रो का संचालन गांधी नगर से रेडिसन चौराहे के बीच किया जा रहा है, लेकिन इस रूट पर पर्याप्त यात्री नहीं मिल रहे हैं और ट्रेनों के कोच अधिकतर खाली ही रहते हैं। यात्रियों की कमी की इसी चुनौती को देखते हुए मेट्रो ट्रेन कॉर्पोरेशन अब एयरपोर्ट को मुख्य मेट्रो कॉरिडोर से जल्द से जल्द जोड़ने पर विशेष जोर दे रहा है।

इलाज के बिल में मनमानी कटौती पर 1.75 लाख लौटाने के आदेश

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होने के बावजूद अस्पतालों में हुए इलाज का पूरा खर्च न चुकाने पर जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग, इंदौर ने स्टार हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी को बड़ा झटका दिया है। आयोग ने मेडिक्लेम की राशि में मनमाने ढंग से कटौती करने को सेवा में कमी मानते हुए कंपनी को 1.75 लाख रुपए ब्याज सहित लौटाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मानसिक परेशानी और परिवाद व्यय के रूप में 15 हजार रुपए अतिरिक्त देने का भी आदेश दिया गया है।

मामला उषा सिंह गौतम से जुड़ा है। उनके पति स्व. उपेंद्र सिंह गौतम ने स्टार हेल्थ इंश्योरेंस से 5 लाख रुपए की फैमिली हेल्थ पॉलिसी ली थी। बीमारी के चलते उन्हें इंदौर के शुक्ला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज पर 5.38 लाख रुपए खर्च हुए, लेकिन बीमा कंपनी ने केवल 3.50 लाख रुपए ही चुकाए। इसके बाद अरविंदो अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। दोनों अस्पतालों के कुल 6.28 लाख रुपए के खर्च के मुकाबले कंपनी ने मात्र 4.24 लाख रुपए का ही भुगतान किया था।परिवादी की ओर से अधिवक्ताओं ने आयोग में दलील दी कि कंपनी ने 'रीजनबल एंड कस्टमरी चार्जेस' का हवाला देकर बिलों में कटौती की, लेकिन वह यह स्पष्ट नहीं कर पाई कि किस आधार पर राशि कम की गई। आयोग ने दोनों पक्षों के साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद पाया कि कंपनी ने कटौती का कोई स्पष्ट ब्योरा नहीं दिया है।

आयोग ने इसे सेवा में कमी मानते हुए आदेश दिया कि कंपनी 1.75 लाख रुपए की शेष राशि परिवाद प्रस्तुत करने की तिथि से 6 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज के साथ भुगतान करे। साथ ही 15 हजार रुपए मानसिक संताप व वाद व्यय के रूप में भी अदा करे।

परीक्षा से 12 दिन पहले स्वाध्यायी विद्यार्थियों को संकाय बदलने की सुविधा से बढ़ी परेशानी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। उच्च शिक्षा विभाग ने स्नातक और स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों के स्वाध्यायी विद्यार्थियों को संकाय बदलने की बड़ी सुविधा दे दी है, लेकिन आदेश देर से आने के कारण विद्यार्थियों के सामने असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। खासकर पीजी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं सिर पर हैं और परीक्षा शुरू होने में महज 12 दिन शेष हैं, जबकि छात्र पहले ही परीक्षा फॉर्म भरकर अपने विषयों का चयन कर चुके हैं। ऐसे में विद्यार्थियों का सवाल है कि परीक्षा के ठीक पहले इस प्रक्रिया का उन्हें क्या लाभ मिलेगा।

प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं एक नवंबर से

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) ने पीजी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं एक नवंबर से निर्धारित की हैं, जिसके लिए नियमित और स्वाध्यायी छात्रों ने आवेदन कर दिए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, उच्च शिक्षा विभाग ने यह जिम्मेदारी सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय को सौंपी है। पहले यह सुविधा केवल नियमित छात्रों को मिलती थी, जिसमें योग्यता जांचने के लिए साक्षात्कार के बाद पात्रता प्रमाण पत्र जारी होता था, लेकिन अब स्वाध्यायी विद्यार्थियों को भी



इसमें शामिल कर लिया गया है।प्रक्रिया के तहत अग्रणी कॉलेजों को नोडल केंद्र बनाया गया है, जहां प्राचार्य और तीन विषय विशेषज्ञों की समितियां साक्षात्कार के जरिए छात्रों की योग्यता का आकलन करेंगी। स्नातक के बाद पीजी में मेजर-माइनर के अलावा अन्य विषय चुनने या 12वीं के बाद संकाय बदलने वाले विद्यार्थियों को यह प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

डीएवीवी के परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशेष तिवारी ने बताया कि स्नातक विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षाएं मार्च से मई के बीच होने के कारण उनके पास पर्याप्त समय है, लेकिन नवंबर में पीजी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा को देखते हुए विश्वविद्यालय ने इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी कर दिया है, ताकि इच्छुक विद्यार्थी आवेदन कर सकें।

निमाणार्धीन मकान की चौथी मंजिल से गिरकर मजदूर की मौत

इंदौर। सदर बाजार थाना क्षेत्र के मरीमाता चौराहे के पास एक निमाणार्धीन मकान की चौथी मंजिल से गिरकर घायल हुए 34 वर्षीय मजदूर की बुधवार सुबह मौत हो गई। मृतक की पहचान भोलाराम मार्ग, सवानंद नगर निवासी सुनील पिता मुंशीलाल (34) के रूप में हुई है। वह मंगलवार को मकान की चौथी मंजिल पर प्लास्टर का काम कर रहा था। काम पूरा करने के बाद पटिए खोलते समय अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सिर के बल सीधे नीचे जा गिरा।

हादसे के बाद मौके पर मौजूद साथी मजदूरों ने तत्काल उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे अरविंद अस्पताल रेफर किया गया। हालत गंभीर होने के कारण बाद में एंबुलेंस की मदद से उसे एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बुधवार सुबह इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। परिजनों के अनुसार, सुनील मूल रूप से खंडवा जिले का रहने वाला था और अविवाहित था। उसके पिता भी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

ठोस कचरे से बनेंगे सड़क, पुल और भवन



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शहरों में बढ़ते ठोस कचरे की समस्या से निपटने और उसका उपयोग निर्माण कार्यों में करने की संभावनाओं पर आईआईटी इंदौर में मंथन शुरू हो गया है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी इंदौर) और साउथ ईस्टर्न यूनिवर्सिटी ऑफ श्रीलंका के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार से पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आगाज हुआ। 'सतत निर्माण में ठोस अपशिष्ट का उपयोग' विषय पर आधारित इस कार्यशाला में कचरे को उपयोगी निर्माण सामग्री में बदलने तथा उससे सड़क, पुल, फुटपाथ और भवन बनाने की आधुनिक तकनीकों पर चर्चा की जा रही है।

कचरे को निर्माण सामग्री में तब्दील करने पर जोर

कार्यशाला में नैनो टेक्नोलॉजी और जियोपॉलिमर तकनीक के माध्यम से औद्योगिक व अन्य ठोस कचरे को निर्माण सामग्री में तब्दील करने के तरीकों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस नवाचार से प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता कम होगी, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और निर्माण कार्य अधिक टिकाऊ बन सकेंगे। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अपर आयुक्त प्रखर सिंह (आईएएस) शामिल हुए। इस अवसर पर साउथ ईस्टर्न यूनिवर्सिटी ऑफ श्रीलंका के कुलगुरु प्रो. एसएम जुनैदीन और आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनके अलावा आईआईटी गुवाहाटी, आईआईएम मुंबई और आईआईएम इंदौर के विशेषज्ञ भी मंथन में भाग ले रहे हैं।

अधिवक्ता से विवाद मामले में दो हेड कांस्टेबल लाइन अटैच

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र में सड़क पर खड़ी गाड़ी हटाने की बात को लेकर एडवोकेट योगेश गुर्जर और दो पुलिसकर्मियों के बीच हुए विवाद ने अब तूल पकड़ लिया है। मामले के सामने आने के बाद अधिवक्ताओं में भारी नाराजगी फैल गई। जिला बार एसोसिएशन ने पुलिसकर्मियों के व्यवहार पर कड़ा ऐतराज जताते हुए पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की और पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग रखी।

अधिवक्ताओं की शिकायत और मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी नरेंद्र रावत ने तत्काल कार्रवाई करते हुए विवाद में शामिल दोनों पुलिसकर्मियों, हेड कांस्टेबल मनोज और भूपेंद्र को लाइन अटैच करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही पूरे घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति सामने लाने के लिए एक जांच कमेटी का गठन भी किया गया है। पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य से इस कमेटी में जिला बार एसोसिएशन की कोषाध्यक्ष को भी शामिल किया गया है, ताकि जांच प्रक्रिया में अधिवक्ता पक्ष की मौजूदगी सुनिश्चित रहे और सभी पहलुओं की बारीकी से पड़ताल की जा सके। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को भी जांच का हिस्सा बनाया है।

फुटेज के आधार पर विवाद के दौरान हुई बातचीत और पुलिसकर्मियों के आचरण सहित अन्य तथ्यों की जांच की जाएगी। दूसरी ओर, जिला बार एसोसिएशन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि वह इस मामले में निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच चाहता है। एसोसिएशन का कहना है कि यदि जांच में पुलिसकर्मी दोषी पाए जाते हैं और उनके विरुद्ध उचित कार्रवाई नहीं की जाती है, तो संबंधित पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज कराने के लिए न्यायालय में परिवाद दायर किया जाएगा। फिलहाल जांच शुरू कर दी गई है और आगे की कार्रवाई कमेटी की रिपोर्ट पर निर्भर करेगी।

जायके और मेहमाननवाजी की मुरीद हुई अमेरिकी रोटरी टीम

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। रोटरी फ्रेंडशिप एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत कैलिफोर्निया (रोटरी डिस्ट्रिक्ट 5160) से इंदौर प्रवास पर आए चार सदस्यीय महिला दल ने भारतीय संस्कृति, पर्यटन स्थलों और आतिथ्य सत्कार की जमकर सराहना की है। अमेरिकी मेहमानों ने इंदौर के खानपान को दुनिया का सबसे स्वादिष्ट भोजन बताया।

रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर संस्कार कोठारी ने बताया कि इस सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम में रोटरी क्लब इंदौर अपटाउन, मेघदूत, सिटी और यूनाइटेड की सक्रिय सहभागिता रही, जिसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न देशों के बीच सद्भावना और मित्रता को बढ़ावा देना है। रोटरी फ्रेंडशिप एक्सचेंज चेयर माधुरी भरकतिया एवं अंतरराष्ट्रीय सर्विस चेयर राजन बावेजा के प्रयासों से रोटेरियन जॉय एलेडारस के नेतृत्व में यह दल इंदौर प्रवास पर रहा। प्रोग्राम



को-ऑर्डिनेटर पीडीजी अतुल गार्गव के अनुसार, अतिथि सदस्य जॉय एलेडारस, पैगी ह्यूसटन, मिकी ली रिच और जॉसलीन पिटेल की क्रमशः सुशील-रूबी मल्होत्रा, अतुल-मनीषा गार्गव, अनिल-तृप्ति खरिया तथा विनीत-डॉ. आराधना सहाय ने अपने निवास पर आत्मीय मेजबानी की। डिस्ट्रिक्ट पब्लिक चेयर घनश्याम सिंह ने बताया कि यशवंत क्लब में आयोजित स्वागत रात्रिभोज में विदेशी मेहमानों ने भारतीय पारंपरिक परिधानों में लजीज व्यंजनों का आनंद लिया। शहर भ्रमण के दौरान दल ने राजबाड़ा, लालबाग, छत्रियां, प्रमुख शिक्षण संस्थानों व अस्पतालों के साथ मांडू की ऐतिहासिक विरासत को निहारा। मॉडर्न स्कूल में बच्चों की 'मिड ब्रेन एक्टिवेशन' प्रस्तुति देखकर अतिथि अचंभित रह गए।इसके अलावा दल ने चोइथराम नेत्रालय में रोटरी क्लब ऑफ इंदौर अपटाउन के 'प्रोजेक्ट दृष्टि' और अध्यक्ष डॉ. आराधना सहाय के सेवा प्रकल्पों की प्रशंसा की। संचालन में अनीश-सिम्मी मलिक, राकेश शर्मा, आलोक डे, डॉ. जी.के. पाराशर, मोहित जाखेटिया, शांतनु और शुभांगी का विशेष योगदान रहा।

जाहिर सूचना

साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्री चंद्रकांत रामनिवास शर्मा** विक्रेता/वर्तमान सम्पत्तिधारक **विरेन्द्र पिता रवीन्द्रनाथ सेन** द्वारा **झोन क्रमांक 11** राजस्व विभाग पर **सर्विस क्रमांक 1001101194** पर आवेदन प्रस्तुत कर पता **11/5, साउथ तुकोगंज, 104 5 हेरोजन, इन्दौर** के नाम पर दर्ज संपत्ति का नामातंरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना के प्रकाशन दिनांक **19.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामांतरण में आपत्ति हो तो झोन क्र. 11 (राजमाता सिंधिया स्टेडियम झोन) के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 11 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक/विक्रेता **कीर्ति गोरखे** पता **19-बी (पूर्व) ग्रीन वैली, नया नाम साकार एनआरआई सिटी, इन्दौर**, खाता क्र. झोन क्र. 19 क्रेता का नाम **शैलेन्द्र जोशी।** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **19.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 19 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 19 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक/विक्रेता **श्रीमती अमिता सचिन शुक्ला** पता **198 (पश्चिम) पैकी, ग्रीन वैली, (नया) साकार एनआरआई सिटी, इन्दौर**, खाता क्र. झोन क्र. 19 क्रेता का नाम **श्री महेश कुमार साहू।** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **19.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 19 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 19 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक **प्रदीप गुर्जर पिता बालकराम गुर्जर** पता **89, संस्कृति एनक्लेव, निपानिया, इंदौर**, पिन **1003258030**, झोन क्र. 22 वार्ड क्र. 36। विक्रयपत्र अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन **19.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 22 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 22 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक **1. सतीश कुमार पाटिल पिता श्री जगन्नाथ पाटिल, 2. श्रीमती वर्षा पाटिल पतिश्री सतीश पाटिल** पता **854, इन्फोसिटी, अरंडिया, इंदौर**, पिन **1003993508**, झोन क्र. 22 वार्ड क्र. 36। विक्रयपत्र अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन **19.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 22 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 22 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्री रोहित पिताश्री कन्हैयालाल खत्री** विक्रेता/वर्तमान सम्पत्तिधारक **अरुण वर्मा केदारनाथ वर्मा** द्वारा **झोन क्रमांक 11** राजस्व विभाग पर **सर्विस क्रमांक 1001137534** पर आवेदन प्रस्तुत कर पता **5, महारानी रोड, महालक्ष्मी कॉम्पलेक्स, इन्दौर** के नाम पर दर्ज संपत्ति का नामातंरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना के प्रकाशन दिनांक **19.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामांतरण में आपत्ति हो तो झोन क्र. 11 (राजमाता सिंधिया स्टेडियम झोन) के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 11 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदनकर्ता **श्रीमती शालू तोषनीवाल पतिश्री सत्यनारायण तोषनीवाल**, विक्रेता **श्रीमती अनिताबाई पतिश्री सत्यनारायण** पता **35, श्रीराम नगर, इंदौर**, पिन **1003011678**, झोन क्र. 01। विक्रयपत्र अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन **19.11.2026** से 15दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 01 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 01 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। विक्रेता **श्री तारकसिंह गुंड एवं अन्य** क्रेता **मोनिका पतिश्री अजय ठाकुर** पिन क्र. **1002835892 झोन क्र. 07 वार्ड** क्र. 34। पता **122 पैकी, बालाजी रेसीडेंसी, इन्दौर** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **19.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो **झोन क्र. 07** के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, अटल बिहारी वाजपेयी (स्कीम नं. 54) झोन क्रमांक 07 नगर पालिका निगम इंदौर

कार्यालय नगर परिषद महेश्वर जिला खरगोन (म.प्र.)

कार्यालय फोन नं 07283-273632 Email:cmomaheshwar@mpurban.gov.in

क्रमांक/1435/लो.नि.शा./न.पा./2026 महेश्वर दिनांक 16.11.2026

//द्वितीय/तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना//

एतद् द्वारा समस्त समक्ष श्रेणी पंजीकृत फर्म ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि, नगर परिषद महेश्वर द्वारा निम्नानुसार निर्माण कार्यों हेतु (यू.ए.डी.डी. आई.एस.एस.आर. 2021 / 2025 की दर पर) निविदा प्रतिशत दर पर ऑनलाईन ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल **www.mptenders.gov.in** के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

टेण्डर आई डी. क्रमाक	कार्य एवं स्थल का नाम	कार्य की लागत एवं समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD राशि रुपए	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
2026_UAD_550182_1	पेवर ब्लॉक एवं क्रॉसिंग निर्माण कार्य वार्ड क्र. 14 में राजू नंदनवार के मकान से संजय बडोदे के मकान तक।	539130/- 02 माह	2000/- 4391/-	03.12.2026 3.30 PM
2026_UAD_550182_2	पेवर ब्लॉक कार्य - वार्ड क्र. 03 एवं 05 में।	2348310/- 04 माह	5000/- 17615/-	
2026_UAD_550182_3	पेवर ब्लॉक कार्य - वार्ड क्र. 09 में कुटिया बड़दक्खन	1070916/- 02 माह	2000/- 8032/-	
2026_UAD_550182_4	पेवर ब्लॉक कार्य - वार्ड क्र. 15 में निसार मोहम्मद से रहीम खुदाबख्श तक एवं अन्य गलियों में।	539130/- 02 माह	2000/- 4391/-	

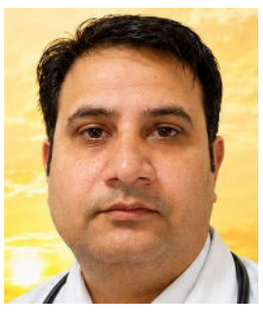
नोटः- 01. उपरोक्त कार्य के Amendments केवल वेबसाईट पर ही Corrigendum/addendum details अन्तर्गत प्रकाशित किये जायेंगे। अन्य विवरण उपरोक्त पोर्टल पर अथवा कार्यालय में कार्यालयीन समय पर देखे जा सकते है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद, महेश्वर | **श्री विक्रम यादव सभापति (आवास पर्यावरण एवं लोक निर्माण विभाग नगर परिषद, महेश्वर** | **श्री सचिन शर्मा उपाध्यक्ष नगर परिषद, महेश्वर** | **श्रीमती अलका गजराज यादव अध्यक्ष नगर परिषद, महेश्वर**

विश्व अर्श दिवस 20 नवंबर 2026

संतुलित खानपान बचाएगा गुदा मार्ग की बीमारियों से

विश्व अर्श दिवस प्रत्येक वर्ष 20 नवंबर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों के खान-पान को सुधारना एवं गुदा मार्ग से संबंधित बीमारियों से बचाना है। अष्टांग आयुर्वेद हॉस्पिटल के शल्य विभाग के प्रोफेसर डॉ. अखिलेश भार्गव बताते हैं कि हजारों वर्ष पूर्व संहिता में वर्णित है कि जो रोग शत्रु के समान मनुष्य के प्राण को समाप्त कर देता है, उसे अर्श कहते हैं। आयुर्वेद शास्त्र में आचार्य ने आठ महा रोगों में अर्श की गणना की है, अर्थात इलाज करने में मुश्किल होते हैं।



डॉ. अखलेश भार्गव
विभागाध्यक्ष शल्य एवं कैंसर विभाग, इंदौर।

क्या है यह बीमारी

सामान्य भाषा में इसे पाइल्स, बवासीर, मस्से या हीमोरोइड कहते हैं। यह रोग गुदा मार्ग की सिराओं के फूल जाने के कारण होता है, क्योंकि गुदा मार्ग की सिराएं वाल्व रहित होती हैं और इनमें रुधिर नीचे की दिशा में बहता है। अतः जोर लगाने से इन सिराओं पर दबाव पड़ता है और यह फूल जाती हैं एवं उनके फटने से गुदा मार्ग से खून आने लगता है।

बढ़ती हुई गुदा रोग के मरीजों की संख्या

अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय में वर्ष 2025 में पाइल्स के 1,824 एवं फिस्टुला के 610 मरीजों ने, वहीं अक्टूबर 2026 तक 1,746 पाइल्स के एवं 778 फिस्टुला के मरीजों ने लाभ लिया।

कारण

लंबे समय तक लगातार कब्ज बने रहने से मनुष्य को मल त्याग करते समय जोर लगाना पड़ता है। गर्भवती स्त्रियों में शिशु गर्भ में होने से गर्भाशय का भार पड़ता है और आसपास की शिराओं पर दबाव पड़ने से सिराएं फूल जाती हैं और महिलाओं को मस्से की समस्या हो जाती है। गर्भाशय में कैंसर की गांठ होने पर मलाशय में दबाव पड़ने से सिराएं फूल जाती हैं। कब्ज होने पर लगातार अधिक समय तक शौचालय में बैठकर जोर लगाने से फूल जाती हैं। वृद्धावस्था में प्रोस्टेट ग्रंथि की वृद्धि पर पेशाब के लिए जोर लगाना पड़ता है, इससे भी शिराओं पर जोर लगता है। इससे मिलती-जुलती बीमारी एक भगंदर (फिस्टुला) भी है, जिसमें गुदा मार्ग के आसपास से एक घाव होकर मवाद निकलने लग जाता है। आयुर्वेद में इसको वंशागत रोग माना है, अर्थात माता-पिता के गलत खानपान एवं पूर्व कर्मों के कारण भी अर्श की उत्पत्ति होती है। खानपान में अधिक गुरु, जल्दी नहीं पचने वाले, अधिक मधुर, अभिष्यंदी, मांस का अधिक सेवन, अधिक धूम्रपान, गलत तरीके से मैथुन, दिन में सोना, रात्रि में जागना, सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करना, अग्नि का मंद होना, व्यायाम नहीं करना, मलत्याग के समय जोर लगाना, गर्भपात होना, ब्लड प्रेशर का बढ़ना, लंबे समय तक भूखा रहना, शराब का सेवन, ईर्ष्या, क्रोध करने से मनुष्य में वात, पित्त, कफ का प्रकोप होकर गुद प्रदेश में शिराएं फूल जाती हैं।

मुख्य रूप से बवासीर दो प्रकार के होते हैं

अभ्यंतर (इंटरनल): यह गुदा मार्ग के अंदर पाए जाते हैं, बाहर से नहीं दिखाई देते हैं और इनमें रक्तस्राव अधिक होता है, दर्द नहीं होता। प्रोक्टोस्कोप के द्वारा उनकी जांच की जाती है।

बाहरी (एक्सटर्नल): यह गुदा मार्ग के बाहर पाए जाते हैं और उसमें दर्द अधिक होता है।

चिकित्सा

आधुनिक समय में आहार-विहार के बदलाव के कारण लोगों को इस प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़ता है। किंतु कुछ रोगी संकोचवश, जिनमें अधिकांश महिलाएं होती हैं, इस रोग की चिकित्सा करने में देरी करती हैं और यह बीमारी बढ़ जाती है। रोगी को अपने खाने के समय निश्चित करना चाहिए। रात्रि को 8 बजे से पहले भोजन कर लें। रात्रि में देर से भोजन करने पर भोजन का पूर्ण पाचन नहीं होता, रोगी को मल त्याग के समय जोर लगाना पड़ता है। आजकल देखा जाता है कि लोग मोबाइल लेकर टॉयलेट में जाते हैं और काफी समय तक बैठे रहते हैं, ऐसा करना भी गलत है। अधिक तले, मिर्च-मसालेदार, देर से पचने वाले, अम्ल, कटु, अधिक गर्म, खट्टे पदार्थों का सेवन न करें। फास्ट फूड का पाचन देर से होता है, इसका सेवन न करें। शराब एवं धूम्रपान का सेवन न करें। यदि ब्लड प्रेशर अधिक हो तो उसका इलाज कराएं। यदि मस्से बाहर आ गए हैं तो शौच के बाद उनको उंगली से अंदर कर लेना चाहिए, ताकि मरीज को दिक्कत नहीं हो। अधिक फाइबर फूड का सेवन करें। रात्रि में गुनगुना पानी पिएं।

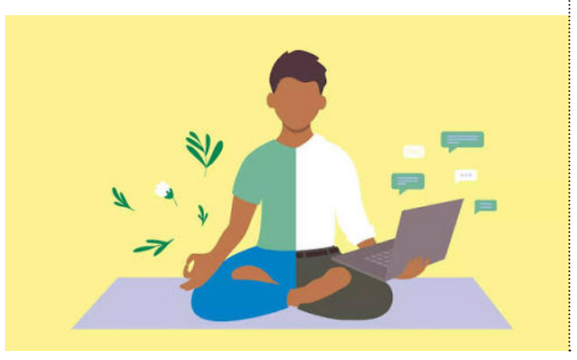
आयुर्वेद में क्षार सूत्र पद्धति से है इलाज

आयुर्वेद में हजारों वर्ष पूर्व क्षार सूत्र, जो एक प्रकार का धागा होता है जिसको हल्दी, अपामार्ग क्षार एवं स्नुही क्षीर से बनाया जाता है, इसके द्वारा मरीज का इलाज किया जाता है। वर्ष 2025 में 301 मरीजों का एवं 2026 में अभी तक 526 मरीजों का इलाज इस पद्धति से किया जा चुका है। डॉ. अखिलेश भार्गव विभाग अध्यक्ष, डॉ. शेखर पटेल एम.एस., डॉ. श्वेता वर्मा एम.एस., भारत प्रजापति, कमलेश पटेल, निशा मालवीय पूरी टीम के द्वारा उनका इलाज किया जाता है। यहां पर अधिकतर मरीजों का इलाज आयुर्वेद दवाइयों से हो जाता है, जिनमें अर्श कुठार रस, अभयारिष्ट, कांकायन वटी, एरंड तेल है। इसमें पेट साफ करने वाली दवाइयां, बीपी कम करने वाली दवाइयां, गुनगुने पानी से सेक करने के लिए बैठना, गुदा मार्ग में लगाने वाले तेल आदि से मरीजों को राहत मिल जाती है।

अवगाहनः इसमें मरीज को गुनगुने पानी में त्रिफला क्वाथ, पंचवल्कल क्वाथ अथवा टंकण पाउडर डालकर बैठने की सलाह दी जाती है। इससे गुदा मार्ग का सेक होता है और खून एवं दर्द बंद हो जाता है।

एनल डाइलेशनः कुछ मरीजों में गुद मार्ग संकुचित हो जाता है, ऐसे मरीजों को यह प्रक्रिया करना पड़ता है, अर्थात गुदा मार्ग की मांसपेशियों को विस्तृत कर दिया जाता है।

अनुवासन वस्तीः गुदा मार्ग के माध्यम से अनुवासन वस्ती दी जाती है, जिसमें जात्यादि तैल, कासीसादि तैल को गुदा मार्ग में डाला जाता है, जिससे वहां पर वात का शमन होता है।



प्रीतम सिंह लोधी के बेटे दिनेश लोधी को हत्या के प्रयास के मामले में मिली जमानत

सरेंडर के 24 घंटे बाद ही जेल से बाहर आने का रास्ता साफ

मृदुभाषी। ग्वालियर

मध्यप्रदेश के पिछोर से बीजेपी विधायक प्रीतम सिंह लोधी के बेटे दिनेश लोधी को हत्या के प्रयास के एक पुराने मामले में बुधवार को बड़ी राहत मिल गई है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय (एडीजे कोर्ट) ने बुधवार को उनकी जमानत याचिका स्वीकार कर ली। गौरतलब है कि स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी होने के करीब 41 दिन बाद मंगलवार को दिनेश ने एडीजे कपिल सोनी की अदालत में पहुंचकर आत्मसमर्पण किया था, जिसके बाद अदालत ने उन्हें जेल भेजने के आदेश दिए थे, लेकिन महज एक दिन बाद ही उन्हें जमानत मिल गई।

दरअसल, यह पूरा मामला 31 दिसंबर 2023 का है, जब



दिनेश लोधी पर आरोप लगा था कि उन्होंने रविंद्र सिंह यादव के घर के बाहर खड़े स्कूटर को अपनी कार से जोरदार टक्कर मारी थी। इस घटना के बाद उनके खिलाफ हत्या के प्रयास का आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया था। मामले की सुनवाई के दौरान लगातार अदालत में पेश न होने के कारण न्यायाधीश ने सख्त रुख अपनाते हुए 7 अक्टूबर को उनके खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया था। वारंट जारी होने के 41 दिन बाद मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे दिनेश अचानक अदालत पहुंचे और सरेंडर करते हुए खुद को निर्दोष बताया। उन्होंने इसे अपनी पहली गलती बताते हुए भविष्य में पुनरावृत्ति न होने का आश्वासन दिया और अदालत से माफी मांगी। हालांकि, न्यायाधीश ने लगातार तारीखों पर गैरहाजिर रहने और न्यायालय का सम्मान न करने पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए उन्हें दोपहर करीब 2 बजे जेल भेज दिया था। इस पूरे घटनाक्रम में एक दिलचस्प पहलू यह भी सामने आया है कि 21 सितंबर को दिनेश लोधी इसी न्यायालय परिसर की एक अन्य अदालत में दूसरे आपराधिक मामले की सुनवाई के लिए उपस्थित हुए थे और वहां से जमानत भी हासिल कर ली थी, लेकिन हत्या के प्रयास के इस मामले में वे पेश नहीं हुए थे। एक ही परिसर में आने के बावजूद इस मामले में उनकी लगातार गैरहाजिरी चर्चा का विषय बनी हुई है। फिलहाल, मंगलवार को जेल भेजे जाने के बाद बुधवार को एडीजे कोर्ट से जमानत याचिका मंजूर होने के साथ ही यह मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है।

बुधनी में पति, पत्नी और जवान बेटे की निर्मम हत्या

बुधनी/राजगढ़। बुधनी नगर के वार्ड क्रमांक 12 स्थित माना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक ही परिवार के तीन सदस्यों की खून से लथपथ लाश मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घर के अंदर पति-पत्नी और उनके जवान बेटे के शव मिलने की इस वीभत्स घटना से शहर दहल उठा है। मृतकों की शिनाख्त 45 वर्षीय राकेश मीणा, उनकी 40 वर्षीय पत्नी राधा मीणा और बेटे अश्विन के रूप में हुई है। तीनों के सिर पर गंभीर चोटों के निशान मिले हैं, जिससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि आरोपियों ने किसी भारी या धारदार वस्तु से वार कर इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया है। हत्या के तरीके और घटनास्थल के हालात को देखते हुए



एक से अधिक हमलावरों के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है।

इस खौफनाक वारदात का खुलासा तब हुआ जब बुधवार सुबह घर के अंदर बंधी सात से आठ बकरियां लगातार चिल्लाने लगीं। काफी देर तक घर का दरवाजा न खुलने और भीतर से कोई हलचल न होने पर पड़ोसियों को संदेह हुआ। जब उन्होंने भीतर जाकर देखा तो वहां मौत का मंजर देख उनके होश उड़ गए। कमरे में तीनों के शव पड़े हुए थे। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और फॉरेंसिक टीम के साथ साक्ष्य जुटाने शुरू किए। खास बात यह है कि घर में लूटपाट या कीमती सामान के गायब होने के कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिले हैं, और घर की अलमारी भी सुरक्षित मिली है, जिससे लूट के इरादे से हत्या की थ्योरी फिलहाल कमजोर पड़ रही है। हालांकि, पुलिस ने घटनास्थल से मृतक राकेश का बाथरूम में पड़ा मोबाइल फोन जब्त कर लिया है और तकनीकी साक्ष्यों व कॉल डिटेल्स के आधार पर जांच को आगे बढ़ा रही है। घटना के बाद से पुलिस के सामने मृतक परिवार के परिजनों तक पहुंचना भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।

भोपाल में किसानों के साथ सपा का प्रदर्शन

भोपाल। भोपाल में किसानों की समस्याओं को लेकर समाजवादी पार्टी ने बुधवार को सरकार के खिलाफ शक्ति प्रदर्शन किया। प्रदेशभर से ट्रैक्टर और कारों के साथ राजधानी पहुंचे किसानों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवास का घेराव करने से पहले ही पुलिस ने रोक दिया। खजूरी कला से लेकर लिंक रोड तक पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की आवाजाही रोकने के लिए बैरिकेडिंग की। लिंक रोड पर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन चलाया। पानी की तेज बौछारों के बीच अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान सपा के प्रदेश उपाध्यक्ष शिवराज यादव समेत कई कार्यकर्ता घायल हो गए।

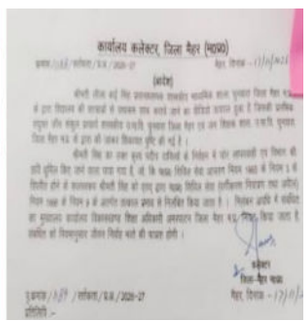
मैहर में छात्राओं से शौचालय साफ कराने का वीडियो वायरल, हेडमास्टर निलंबित

मृदुभाषी। मैहर

जिले के शासकीय स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था और विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है, जहाँ घुनवारा स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में स्कूल की छात्राएं पढ़ाई करने के बजाय विद्यालय के शौचालय की सफाई करती नजर आ रही हैं।

वायरल फुटेज में किसी छात्रा के हाथ में वाइपर है, तो कोई पानी का जग लेकर फर्श पर पानी डालते हुए सफाई में जुटी दिखाई दे रही है। वीडियो सामने आने के





बाद शिक्षा विभाग और प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने संबंधित विद्यालय के हेडमास्टर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है और पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, यह वायरल वीडियो मैहर जिले के घुनवारा स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय का है। यह वीडियो सोमवार दोपहर का बताया जा रहा है, जो मंगलवार को सोशल मीडिया पर सामने आया। वीडियो में विद्यालय की छात्राएं शौचालय के अंदर सफाई करती साफ दिखाई दे रही हैं। एक छात्रा वाइपर से फर्श साफ कर रही है, जबकि दूसरी छात्रा पानी का जग लेकर सफाई में सहयोग कर रही है। जिस उम्र में बच्चों के हाथों में किताबें और कॉपियां होनी चाहिए, उस उम्र में छात्राओं से शौचालय की सफाई कराए जाने पर विद्यालय प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि, छात्राओं से यह कार्य किसके निर्देश पर कराया गया और इसके पीछे क्या परिस्थितियां थीं, यह जांच का मुख्य विषय है।

भोपाल में जुटे प्रदेशभर के सैकड़ों स्वास्थ्यकर्मी

मृदुभाषी। भोपाल

कोरोना महामारी के दौरान मरीजों की जान बचाने के लिए दिन-रात सेवाएं देने वाले स्वास्थ्यकर्मी अब अपने रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं। नौकरी से हटाए गए आयुष चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, फार्मासिस्ट और पैरामेडिकल कर्मचारियों ने बुधवार को भोपाल के नीलम पार्क में शक्ति प्रदर्शन किया। प्रदेशभर से पहुंचे सैकड़ों कर्मचारियों ने दोबारा नियुक्ति और रोजगार सुरक्षा की नीति बनाने की मांग उठाई। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी कि अब यह लड़ाई भोपाल तक सीमित नहीं रहेगी। मांगें पूरी नहीं होने पर जिला स्तर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) कार्यालयों के बाहर प्रदर्शन किया जाएगा। कोविड योद्धाओं का कहना है कि वे 5 अक्टूबर से आंदोलन कर रहे हैं। इस दौरान संघ के प्रतिनिधिमंडल ने उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला, अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी समेत वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की।

भारतीय शिक्षण मंडल ने दी श्रद्धांजलि

संगठन निष्ठा और समर्पण के प्रतीक थे स्व. फड़के

मृदुभाषी। भोपाल

भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय व्यवस्था प्रमुख स्व. राजेंद्र फड़के के निधन पर भोपाल में एक शोक सभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभा में वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व, कृतित्व और संगठन के प्रति अटूट समर्पण को याद किया।

भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री बी.आर. शंकरानन्द ने कहा कि फड़के जी ने अपने उदात्त चिंतन से संगठन को नई ऊंचाइयां दीं। विपरीत परिस्थितियों में भी सहजता, प्रसन्नता और मुस्कान बनाए रखना उनके व्यक्तित्व की अनूठी विशेषता थी। उपाध्यक्ष महेश दाबक ने उनके साथ बिताए आत्मीय पलों को याद करते हुए इसे व्यक्तिगत क्षति बताया। महामंत्री प्रो. भरत शरण सिंह ने उन्हें समर्पित और कर्मठ कार्यकर्ता करार दिया। अखिल भारतीय संयुक्त महामंत्री पंकज नाफड़े, सह व्यवस्था प्रमुख अजय धाकरस और अमित दत्ता ने भी उनके संगठनात्मक कौशल, अनुशासन और कार्यपद्धति का स्मरण किया। सुनील द्वारा प्रस्तुत शोक प्रस्ताव में बताया गया कि उन्होंने अपना वानप्रस्थ जीवन भी समाज और राष्ट्र को समर्पित कर दिया था। सभा में उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

जबलपुर मुख्य रेलवे स्टेशन पर हादसा

नए फूड स्टॉल में रेफ्रिजरेटर का कंप्रेसर फटा, भीषण आग

मृदुभाषी। जबलपुर

जबलपुर मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर बुधवार शाम करीब साढ़े चार बजे एक फूड स्टॉल में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। स्टॉल के अंदर रखे रेफ्रिजरेटर का कंप्रेसर फटने के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और इसकी लपटें प्लेटफॉर्म के शेड तक जा पहुंचीं, जिससे पूरे परिसर में घना धुआं फैल गया। आरपीएफ से मिली जानकारी के अनुसार, प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर कटनी छोर की ओर यह नया फूड स्टॉल स्थापित किया गया था, जिसका आगामी 20 नवंबर को उद्घाटन होना था। घटना के समय स्टॉल पूरी तरह बंद था और उसके भीतर दो रेफ्रिजरेटर सहित खाने-पीने का अन्य सामान रखा हुआ था। आग की लपटें उठते ही प्लेटफॉर्म पर मौजूद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और लोग सुरक्षित स्थान की तलाश में इधर-उधर भागने लगे। घटना की गंभीरता को देखते हुए आरपीएफ जवानों ने तत्काल मोर्चा



संभाला और प्लेटफॉर्म पर ट्रेन के डिब्बों में पानी की आपूर्ति के लिए लगी पाइपलाइन का इस्तेमाल कर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। जवानों की आधे घंटे से अधिक की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। गनीमत रही कि समय रहते स्टॉल के ठीक पास स्थित पार्सल कार्यालय में रखे सामान को तत्काल हटाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया, जिससे एक बड़ा नुकसान टल गया। हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और स्थिति का जायजा लिया।

बीज निगम के नाम पर चल रहे फर्जीवाड़े का भंडाफोड़

छतरपुर। छतरपुर जिले के हरपालपुर में राष्ट्रीय बीज निगम के नाम पर चल रहे एक बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। बस स्टैंड के पास स्थित राजेश दाल उद्योग के गोदाम पर प्रशासन और कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने औचक कार्रवाई करते हुए 47 लाख रुपये से अधिक कीमत का संदिग्ध और अमानक मटर बीज बरामद किया है। कृषि विभाग की औपचारिक शिकायत के आधार पर हरपालपुर थाना पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है और इस अवैध कारोबार से जुड़े अंतरराज्यीय नेटवर्क तथा अन्य संलिप्त लोगों की गहराई से पड़ताल शुरू कर दी है। कलेक्टर के निर्देश पर की गई इस संयुक्त छापामार कार्रवाई के दौरान यह सनसनीखेज खुलासा हुआ कि गोदाम में साधारण और अमानक मटर को मंडी से खरीदकर लाया जा रहा था। इसके बाद अत्याधुनिक मशीनों से उसकी ग्रेडिंग और पॉलिशिंग कर उसे राष्ट्रीय बीज निगम (नेशनल सीड्स कॉरपोरेशन) के नाम पर 'मदर अपर्णा' किस्म का प्रमाणित बीज बताकर अवैध रूप से धड़ल्ले से पैक किया जा रहा था।



सम्पादकीय

ढह रहे हैं घर लेकिन जवाबदेही तय नहीं

पिछले कुछ समय से दिल्ली में जर्जर इमारतों से होने वाले हादसों में मौतों का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसमें अनेक निर्दोष लोगों की जान असमय चली जाती है। विडंबना यह है कि इन बड़े हादसों के बाद सत्ताधीशों व राजनेताओं की बयानबाजी ही सामने आती है। फिर अगले हादसे तक खामोशी ओढ़ ली जाती है। बड़े-बड़े दावों के बीच 'ट्रिपल इंजन सरकारें' भी जर्जर भवनों के हादसे रोक पाने में असहाय नजर आ रही हैं। इन हादसों के बावजूद निर्माण संबंधी नियमों को सख्ती से लागू करने की पहल होती नजर नहीं आती है। वहीं दूसरी ओर लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों और अधिकारियों की कोई जवाबदेही भी तय नहीं की जाती। ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि आपराधिक लापरवाही के लिये किसी दोषी को दंडित किया गया हो। साथ ही बिल्डिंग बायलॉज के उल्लंघन के मामले में भी तंत्र की तरफ से कोई गंभीर कार्रवाई होती नजर नहीं आती। मंगलवार को शाहदरा के ज्वाला नगर में एक इमारत ढह गई, जिसमें एक तीन साल के बच्चे समेत दो लोगों की जान चली गई। कुछ लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका बना हुई थी। दुखद ही है कि ऐसी दुर्घटनाओं की सूची दिन-ब-दिन लंबी होती जा रही है। सितंबर में तब काफी बवाल मचा था जब सत्य निकेतन की पांच मंजिला इमारत ढह गई थी। जिसमें पेइंग गेस्ट के तौर पर रह रहे पांच छात्रों समेत सात लोगों की मौत हो गई थी। तब क्योंकि छात्र आंदोलन का दौर चल रहा था तो छात्रों के गुस्से के मद्देनजर बड़ी-बड़ी घोषणाएं हुई और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। लेकिन कुछ दिनों के बाद 'वही ढाक के तीन पात' वाली स्थिति सामने आई। बीते अक्तूबर में भी सीमापुरी में जमीन धंसने से चार लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह पांच नवंबर को चावड़ी बाजार हादसे में सात लोगों की मौत हो गई थी।

दुखद यह है कि दुर्घटनाओं का यह अंतहीन सिलसिला लगातार जारी है। उल्लेखनीय है कि मई और जुलाई में भी सैदुलजाब और रोहिणी में ऐसी घटनाएं देखने को मिली। पिछले हफ्ते पहाड़गंज में एक निर्माण स्थल पर छत ढह गई थी। लेकिन गनीमत रही है कि चमत्कारिक रूप से किसी की जान नहीं गई। बहरहाल, बार-बार होने वाली ये त्रासदियां यह स्पष्ट कर देती हैं कि राजधानी में असुरक्षित इमारतें- अब चाहे वे कॉमर्शियल हों या रिहायशी, पुरानी हों या निर्माणाधीन, अधिकृत हों या अनधिकृत- मौत का जाल बनती जा रही हैं। वहीं दूसरी ओर इन हादसों की जवाबदेही तय करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। लंबे समय से यह स्थिति बनी हुई है। पुरानी जर्जर इमारतों की अनदेखी, निर्माण के तौर-तरीकों में आपराधिक लापरवाही, सुरक्षा जांच में कमी और प्रशासनिक लापरवाही के चलते बार-बार लोगों की जान जोखिम में डाला जाना बदस्तूर जारी है। इसमें दो राय नहीं कि यह प्रशासन की विफलता है। विडंबना यह है कि स्थानीय प्रशासन व नगर निकाय घटना के बाद कार्रवाई- मसलन मलबे की जांच करने, चंद अधिकारियों के निलंबन या प्राथमिकी दर्ज करने तक सीमित रह जाता है। वास्तव में होना यह चाहिए कि उन इमारतों को चिन्हित किया जाए, जो खतरनाक साबित हो सकती हैं। ताकि समय रहते कार्रवाई करके लोगों की जान बचायी जा सके। बाद में कार्रवाई करने से ज्यादा जरूरी है कि ऐसी आपदाओं की पुनरावृत्ति ही न हो। सही मायने में दिल्ली में असुरक्षित व जर्जर इमारतों के सुरक्षा ऑडिट की तत्काल जरूरत है। वास्तव में इन इमारतों की निगरानी किसी स्वतंत्र एजेंसी द्वारा करायी जानी चाहिए। इसी क्रम में जोखिम की स्थिति वाली इमारतों की पहचान की जानी चाहिए। साथ ही उन बिल्डिंगों में रहने वाले लोगों के लिये वैकल्पिक आवासों की व्यवस्था भी की जानी चाहिए।

अनियंत्रित उपभोक्तावाद से उपजा पर्यावरण संकट

डॉ. रितु सारस्वत

हाल ही में विश्व मौसम विज्ञान संगठन द्वारा जारी 'स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट फॉर कॉप-31' नामक रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि जनवरी से सितंबर, 2026 के बीच पृथ्वी का औसत सतही तापमान 19वीं सदी के उत्तरार्ध (1850–1900) में दर्ज औसत तापमान की तुलना में लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। इस रिपोर्ट में तापमान की वृद्धि को समझने के लिए 1850 से 1900 के बीच की अवधि को आधार माना गया है, जिसे जलवायु विज्ञान में पूर्व-औद्योगिक संदर्भ अवधि कहा जाता है। वहीं, क्लाइमेट एक्शन ट्रैकर द्वारा जारी 'विदाउट रैपिड एक्शन, द वर्ल्ड इज़ हेडिंग टू इर्रिकवरेबल ओवरशूट' नामक रिपोर्ट में भी वैश्विक जलवायु प्रयासों की धीमी गति पर चिंता व्यक्त की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन को रोकने के सामूहिक वैश्विक प्रयास लगातार पांचवें वर्ष लगभग ठहर गए हैं। वर्तमान सरकारी नीतियों के आधार पर इस सदी के अंत तक वैश्विक तापमान में 2.7 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने का अनुमान है।

जलवायु परिवर्तन का संकट अब भविष्य की कोई आशंका भर नहीं रह गया है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में घट रही घटनाएं इस संकट की बढ़ती गंभीरता का संकेत दे रही हैं। जुलाई, 2019 में पश्चिमी यूरोप के कई देशों को अविश्वसनीय रूप से भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। बेल्जियम और नीदरलैंड में तापमान पहली बार 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। फ्रांस में जुलाई की भीषण गर्मी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया और कई लोगों की मौत का कारण बनी। वहीं, अप्रैल और मई, 2024 में दक्षिणी ब्राजील के रियो ग्रांडे दो सुल राज्य में हुई मूसलाधार बारिश ने विनाशकारी बाढ़ का रूप ले लिया और लाखों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े।



इन घटनाओं का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों के अंतर्राष्ट्रीय समूह 'वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन' के निष्कर्ष बताते हैं कि मानवीय गतिविधियों के कारण बढ़ रहा जलवायु परिवर्तन ऐसी भीषण गर्मी और अत्यधिक वर्षा की घटनाओं की संभावना तथा तीव्रता को बढ़ा रहा है। मानवीय गतिविधियां जलवायु परिवर्तन को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही हैं। इस तथ्य को जलवायु वैज्ञानिक अपने विभिन्न अध्ययनों में लगातार रेखांकित कर रहे हैं। आईपीसीसी की 'जलवायु परिवर्तन 2023 रिपोर्ट' में ऊर्जा के बेतहाशा उपयोग, वनों की निरंतर कटाई और औद्योगिक उत्पादन जैसी मानवीय गतिविधियों को जलवायु परिवर्तन के प्रमुख कारणों के रूप में रेखांकित किया गया है। जलवायु परिवर्तन की जिम्मेदारी केवल सरकारों और नीतिगत व्यवस्थाओं पर डालकर हम अपनी जिम्मेदारी से विमुख नहीं हो सकते। दरअसल, हमारी अपनी गतिविधियां और दैनिक जीवन से जुड़े निर्णय भी इस समस्या को बढ़ाने में योगदान देते हैं। इसलिए हमें उन गतिविधियों पर भी गंभीरता से विचार करना होगा, जिनमें बदलाव करना हमारे अपने हाथ में है।

हमारी इस जिम्मेदारी और व्यक्तिगत भूमिका को समझने के लिए मायरा जे. हर्ड द्वारा संपादित पुस्तक 'कंज्यूमिंग द एनवायरनमेंट' एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। दरअसल, हमारी रोजमर्रा की खरीदारी, फैशन के बदलते चलन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की बढ़ती मांग का संबंध केवल बाजार और हमारी जरूरतों से नहीं है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव प्राकृतिक संसाधनों पर भी पड़ता है। किसी वस्तु का पर्यावरण पर प्रभाव केवल उसके उपयोग तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके निर्माण के लिए आवश्यक संसाधनों के दोहन से शुरू होकर उसके उपयोग के बाद फेंक दिए जाने तक बना रहता है। पर्यावरणीय संकट पर विचार करते समय यह देखना भी जरूरी है कि हम क्या खरीद रहे हैं, कितनी मात्रा में खरीद रहे हैं और उन वस्तुओं का उपयोग कितने समय तक कर रहे हैं। मायरा ने उपभोक्तावाद और पर्यावरण के बीच जिस संबंध की ओर ध्यान आकर्षित किया है, उसकी पुष्टि संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की अक्तूबर, 2025 की रिपोर्ट 'ट्रांसफॉर्मिंग द टेक्सटाइल इंडस्ट्री : एक्सेलरेटिंग एक्शन ऑन रिसोर्स यूज' से भी होती है। रिपोर्ट के अनुसार, कपड़ा उद्योग में हर वर्ष प्राकृतिक जल संसाधनों का उपयोग लगभग 8.6 करोड़ ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूलों में समा सकने वाले पानी के बराबर है। यह उद्योग दुनिया में धरती का तापमान बढ़ाने वाली गैसों के कुल उत्सर्जन में लगभग 8 प्रतिशत योगदान देता है। कपड़ों की बढ़ती मांग और उनके उत्पादन में लगातार हो रही वृद्धि प्राकृतिक संसाधनों पर इस दबाव को और बढ़ा रही है।

धर्म-ज्योतिष

आमला नवमीं पर आंवले के दीपक से करें दीपदान

'अक्षय नवमी' के नाम से जाना जाता है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर आंवले के पड़े की पूजा करने और उसके नीचे बैठकर खाने की परंपरा निभाई जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, ऐसा करने से भगवान विष्णु और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त होता है। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की नवमी से लेकर पूर्णिमा तिथि तक भगवान विष्णु का निवास स्थान आंवले के पेड़ में होता है। माना जाता है, इस दिन सुबह-शाम आवंले के पेड़ के नीचे दीपदान करना शुभ माना जाता है। यदि आप भी आंवला नवनी पर दीपदान करना चाहते हैं, तो इन बातों का जरुर ध्यान होता है। इस दिन श्री विष्णु के चरणों में आंवले का दीपदान करना श्रेष्ठ माना जाता है, क्योंकि नवमी से लेकर पूर्णिमा तिथि का भगवान विष्णु आंवले के पेड़ में वास करते हैं। ऐसे में आंवले के वृक्ष के नीचे दीपक जरुर जलाएं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आंवले का दीपदान करने से जीवन में सुख-समृद्धि, आरोग्य और अक्षय पुण्य फल (कभी खत्म न होने वाला पुण्य) प्राप्त होते हैं।



समसामयिक

शीतकालीन चारधाम यात्रा की भी हैं संभावनाएं

बैकुंठधाम बदरीनाथ के कपाट बंद होने के साथ ही उत्तराखंड हिमालय की इस वर्ष की चारधाम यात्रा का भी समापन हो गया। इस यात्रा में लगभग 65 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने चारधाम यात्रा की। बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिरों के कपाट भले ही बंद हो गए हों, लेकिन इसके साथ ही इन आराध्य देवताओं के शीतकालीन गद्दीस्थलों में पूजा-अर्चना शुरू हो जाती है।

परंपरा के अनुसार, गंगा की उत्सव डोली शीतकाल में उत्तरकाशी जिले के मुखबा गांव स्थित गंगा मंदिर में विराजमान होती है। यमुना की पूजा खरसाली गांव में होती है। बाबा केदारनाथ की पंचमुखी उत्सव डोली ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर पहुंचती है, जहां अगले छह महीने तक उनकी पूजा-अर्चना होती है। इसी प्रकार, बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद भगवान उद्धव की पूजा पांडुकेश्वर स्थित योगध्यान बदरी मंदिर में तथा आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी और भगवान नृसिंह की पूजा



ज्योतिर्मठ स्थित नृसिंह मंदिर में होती है।

भौगोलिक विषमताओं और यात्रा की कठिनाइयों के बावजूद इन हिमालयी तीर्थों के प्रति देश-विदेश के श्रद्धालुओं की आस्था बढ़ती जा रही है। चारधाम यात्रा से होने वाली अधिकांश आय अप्रैल से नवंबर के बीच अर्जित होती है, लेकिन मुख्य धामों के कपाट बंद होने के बाद पर्वतीय क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां सीमित हो जाती हैं। ऐसे में शीतकालीन गद्दीस्थलों को धार्मिक पर्यटन के नए केंद्रों के रूप में विकसित करना महत्वपूर्ण पहल है। मुखबा, खरसाली, ऊखीमठ, पांडुकेश्वर और ज्योतिर्मठ को बेहतर सड़क संपर्क, आवास, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं और संचार सुविधाओं से जोड़कर वर्षभर के पर्यटन केंद्रों के रूप में विकसित किया जा सकता है। इससे स्थानीय होमस्टे, हस्तशिल्प, पारंपरिक खानपान और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, शीतकाल में भी स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर पैदा होंगे।

हालांकि, शीतकालीन चारधाम यात्रा की संभावनाएं आकर्षक हैं, लेकिन इसके व्यावहारिक क्रियान्वयन की चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जिन गद्दीस्थलों को तीर्थाटन के नए केंद्र बनाने की योजना है, वे भी हिमालय के संवेदनशील क्षेत्रों में स्थित हैं। सर्दियों में यहां भारी हिमपात, पाला, शीतलहर और बर्फीली हवाओं का सामना करना पड़ता है। मुखबा और खरसाली जैसे गांवों में भारी बर्फबारी के कारण सड़क संपर्क अक्सर बाधित हो जाता है।

व्यापार

आम आदमी और उद्योग जगत को लग सकता है झटका

2027 की दूसरी तिमाही तक 0.75 फीसदी और बढ़ सकता है रेपो रेट, जीडीपी रफ्तार पर भी पड़ेगा असर

मृदुभाषी। नई दिल्ली

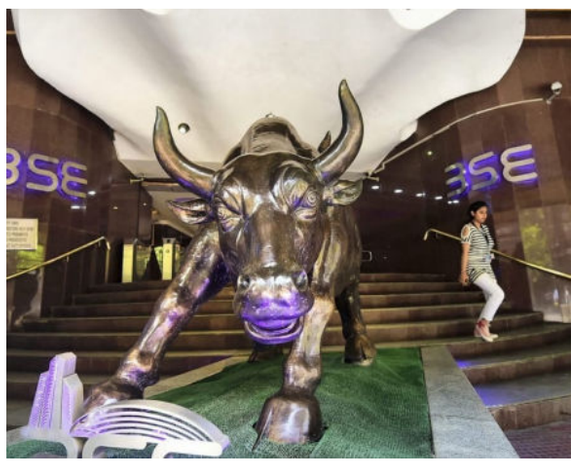
महंगाई के बढ़ते दबाव और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में लगातार हो रहे उछाल के बीच आने वाले समय में आम आदमी से लेकर उद्योग जगत तक के लिए कर्ज और महंगा हो सकता है। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स की एक ताजा शोध रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) कैलेंडर वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही (Q2 CY27) तक मानक नीतिगत ब्याज दर यानी रेपो रेट में कुल 75 बेसिस प्वाइंट (0.75 फीसदी) की और बढ़ोतरी कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्रीय बैंक आगामी दिसंबर की मौद्रिक नीति समीक्षा



में रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट का इजाफा कर सकता है, जिसके बाद वर्ष 2027 की पहली छमाही के दौरान दरों में 50 बेसिस प्वाइंट की और वृद्धि किए जाने का अनुमान है। इन दोनों चरणों के पूरा होने के बाद रेपो दर बढ़कर 6.25 फीसदी पर पहुंच जाएगी। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने हाल ही में अक्टूबर की समीक्षा में भी रेपो दर को 25 बेसिस प्वाइंट बढ़ाकर 5.50 फीसदी किया था, जो पिछले करीब चार वर्षों में पहली बढ़ोतरी थी। गोल्डमैन सैक्स के चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट शांतनु सेनगुप्ता के अनुसार, खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर में आरबीआई के 6 फीसदी के संतोषजनक दायरे की ऊपरी सीमा को पार कर 6.1 फीसदी पर पहुंच चुकी है और इसके Q4 CY26 तथा Q1 CY27 के दौरान भी 6 फीसदी से ऊपर बने रहने की आशंका है। बढ़ती खाद्य कीमतों, अल नीनो से जुड़ी मौसमी बाधाओं, ऊंची इनपुट लागत और मुख्य वस्तुओं व सेवाओं में बढ़ते कीमतों के दबाव को नियंत्रित करने के लिए आरबीआई सख्त मौद्रिक रुख अपनाने को मजबूर है। रिपोर्ट में वर्ष 2027 के दौरान औसत हेडलाइन खुदरा महंगाई 5.7 फीसदी और कोर मुद्रास्फीति 4.7 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है। ब्याज दरों में इस संभावित बढ़ोतरी से देश की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार पर भी असर पड़ेगा और भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर CY26 के अनुमानित 7.9 फीसदी से घटकर CY27 में 7.2 फीसदी पर आ सकती है, हालांकि मजबूत घरेलू मांग, निजी उपभोग और ऊर्जा व रणनीतिक मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों में निवेश से अर्थव्यवस्था को सहारा मिलता रहेगा।

भारतीय शेयर बाजार में दो दिन की तेजी पर ब्रेक

मुनाफावसूली से सेंसेक्स 500 अंक से अधिक टूटा, निवेशकों के पांच लाख करोड़ डूबे



मृदुभाषी। नई दिल्ली

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर में बढ़ोतरी की आशंकाओं और वैश्विक बाजारों के सुस्त रुख के बीच बुधवार को भारतीय शेयर बाजार में लगातार दो दिनों से जारी तेजी पर विराम लग गया। ऊंचे स्तर पर निवेशकों द्वारा की गई मुनाफावसूली के चलते प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स 500 अंक से अधिक की भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 500.38 अंक यानी 0.60 फीसदी की गिरावट के साथ 82,031.81 पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 159.46 अंक यानी 0.63 फीसदी की कमजोरी के साथ 25,227.95 के स्तर पर आ गया। बाजार के इस अचानक गोता लगाने से निवेशकों की संपत्ति में करीब पांच लाख करोड़ रुपये की भारी चपत लगी है। हालांकि, पिछले सत्र में बाजार नौ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था, जबकि आज कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और विदेशी कोषों के निरंतर निवेश ने बाजार के नुकसान को कुछ हद तक थामने का प्रयास किया।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने बाजार की चाल पर टिप्पणी करते हुए बताया कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की सख्त टिप्पणियों ने भविष्य में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीदों को हवा दे दी है, जिससे डॉलर में मजबूती आई और सोने जैसी गैर-लाभकारी परिसंपत्तियों के साथ-साथ वैश्विक कमोडिटी कीमतों पर दबाव बढ़ गया। घरेलू यील्ड में वृद्धि के कारण हालिया उच्च स्तरों के पास जमकर मुनाफावसूली हुई, जिससे इक्विटी के ऊंचे मूल्यांकन पर दबाव और गहरा गया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स पैक में टाइटन (4.82%), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (2.49%), बजाज फाइनेंस (2.45%), एटर्नल (2.45%), इंटरग्लोब एविएशन (1.97%) और इंफोसिस (1.86%) सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयरों में शामिल रहे।

पूर्व सीईओ चंदा कोचर को बॉम्बे हाईकोर्ट से राहत



मृदुभाषी। नई दिल्ली

बॉम्बे हाई कोर्ट ने ICICI बैंक की पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) चंदा कोचर को एक बड़ी कानूनी राहत दी है। कोर्ट ने उन पर 'ऋण धोखाधड़ी' मामले में मुकदमा चलाने की मंजूरी रद कर दी है। यह फैसला चंदा कोचर के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। इस निर्णय के बाद केंद्रीय जांच एजेंसी को इस मामले में आगे बढ़ने के लिए नई अनुमति लेनी होगी। इससे कानूनी प्रक्रिया पर सीधा असर पड़ेगा। यह मामला ICICI बैंक में कथित 'ऋण धोखाधड़ी' से जुड़ा है। चंदा कोचर पर आरोप थे कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग किया। उन्होंने कुछ कंपनियों को अनुचित तरीके से कर्ज दिए थे। इन आरोपों के चलते उन पर मुकदमा चलाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। बॉम्बे हाईकोर्ट के इस निर्णय से अब इस मामले की कानूनी कार्रवाई पर सीधा असर पड़ेगा।

स्पाइसजेट के बोर्ड ने 5,500 करोड़ रुपये तक का फंड जुटाने के प्रस्ताव को दी मंजूरी

मृदुभाषी। नई दिल्ली

गंभीर वित्तीय संकट और परिचालन संबंधी चुनौतियों से जूझ रही प्रमुख विमानन कंपनी स्पाइसजेट के बोर्ड ने अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है।

कंपनी के बोर्ड ने बुधवार को हुई बैठक में 5,500 करोड़ रुपये तक का फंड जुटाने के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। इस महत्वपूर्ण निर्णय का मुख्य उद्देश्य एयरलाइन की क्षमता का पुनर्निर्माण करना और उसके पुनरुद्धार के प्रयासों को तेजी से आगे बढ़ाना है। बैठक के दौरान संभावित नए निवेशकों के साथ निवेश संबंधी चर्चाओं पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया और प्रबंधन को इस प्रक्रिया



को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। यह प्रस्तावित पूंजी इक्विटी और अन्य विधिक साधनों के जरिए जुटाई जाएगी, जो आवश्यक नियामक मंजूरियों के अधीन होगी। स्पाइसजेट लंबे समय से भू-राजनीतिक गड़बड़ियों, हवाई क्षेत्र के प्रतिबंधों और पिछले कुछ महीनों में विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में आई भारी तेजी जैसे असाधारण रूप से चुनौतीपूर्ण माहौल का सामना कर रही है, जिससे उसकी परिचालन लागत काफी बढ़ गई है। एयरलाइन का मानना है कि इस भारी-भरकम फंड के आ जाने से उसे मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक वित्तीय गुंजाइश मिलेगी। इससे न केवल कंपनी की बैलेंस शीट मजबूत होगी, बल्कि बेड़े के विस्तार, परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने और नेटवर्क को बहाल करने में भी बड़ी मदद मिलेगी, जिससे यह एक अधिक टिकाऊ कारोबार बन सकेगा। कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह फंड एयरलाइन के पुनरुद्धार, परिचालन को धार देने और ब्रांड की खोई हुई प्रतिष्ठा को बहाल करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करेगा।

अल्पवर्षा के बीच किसानों को निर्बाध पानी देने के निर्देश, नवंबर तक ओएमएस बॉक्स से शत-प्रतिशत सिंचाई का लक्ष्य

आउटलेट और पाइपलाइन की बदहाली बनी चुनौती, नुकसान पहुंचाने वालों पर एफआईआर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। अल्पवर्षा के चलते जिले में सिंचाई के लिए पानी की जरूरत बढ़ गई है, ऐसे में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजनाओं का सुचारू संचालन प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। किसानों को पर्याप्त और निर्बाध पानी मिले, इसके लिए अब कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। नर्मदा-झाबुआ-पेटलावद-थांदला-सरदारपुर और कुक्षी-मनावर माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा में आउटलेट्स की कार्यशील स्थिति, पाइपलाइन की सुरक्षा, जल वितरण और रखरखाव जैसे मुद्दे सामने आए। कलेक्टर ने नवंबर माह तक ओएमएस बॉक्स के माध्यम से शत-प्रतिशत सिंचाई का लक्ष्य पूरा करने को कहा है। हालांकि, परियोजना के सभी आउटलेट्स का चालू नहीं होना और पाइपलाइन-वॉल्व की सुरक्षा को लेकर निगरानी व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत इस बात का संकेत है कि जमीनी स्तर पर व्यवस्था को अभी और दुरुस्त करना होगा।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि परियोजना के अंतर्गत वर्तमान में कार्यशील नहीं होने वाले सभी आउटलेट्स की सूची



तत्काल तैयार की जाए। नवंबर तक किसानों को ओएमएस बॉक्स के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने का लक्ष्य पूरा किया जाए। किसानों को नदी-नालों में पारंपरिक तरीके से पानी छोड़ने के बजाय नियंत्रित जल वितरण प्रणाली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके साथ ही ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक सिंचाई पद्धतियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है।

कलेक्टर का सख्त रुख

परियोजना की मुख्य पाइपलाइन, वॉल्व और अन्य संरचनाओं की सुरक्षा को लेकर कलेक्टर ने सख्त रुख अपनाया। एसडीएम, तहसीलदार, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों की निगरानी समिति गठित की जाएगी। पाइपलाइन अथवा वॉल्व को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। मैदानी स्थिति की वास्तविक जानकारी के लिए पटवारियों से नियमित फीडबैक लेने और विभागों के बीच संयुक्त बैठकें करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि उपलब्ध जल का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से किया जाना जरूरी है। सिंचाई के दौरान पानी की अनावश्यक बबार्दी रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए। किसानों को आधुनिक सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों के फायदे समझाने के लिए गांवों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। एनवीडीए डही के अधिकारियों को भी जल संरक्षण और मितव्ययी उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

रोजगार से लेकर पर्यावरण प्रबंधन तक की कार्ययोजना

परियोजना के दीर्घकालीन विकास के लिए लोकल एरिया डेवलपमेंट प्लान की अद्यतन रिपोर्ट मांगी गई है। परियोजना क्षेत्र में रोजगार और आजीविका की संभावनाएं तलाशने के लिए स्किल मैपिंग कराई जाएगी। वहीं पर्यावरणीय शर्तों के पालन की निगरानी के लिए पर्यावरण सेल और मल्टी-डिसिप्लिनरी कमेटी गठित करने के निर्देश दिए गए हैं।जल वितरण व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए मुख्य पाइपलाइन के किनारे बसे गांवों की सूची और सरदारपुर क्षेत्र का चकवार विवरण तैयार किया जाएगा। जल उपभोक्ता संस्थाओं का गठन भी जल्द पूरा करने को कहा गया है। किसानों की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए टोल-फ्री नंबर जारी होगा। पाइपलाइन में लीकेज या तकनीकी खराबी सामने आने पर निर्माण एजेंसी और विभागीय अमले को मरम्मत करने के निर्देश दिए।

राजस्थानी लाल पत्थरों से आकार ले रहा माँ रेवा द्वार

25 फीट चौड़ा और 23 फीट ऊंचा होगा द्वार, 6.36 लाख रुपये की लागत से निर्माण जारी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

मंडलेश्वर। माँ नर्मदा के पावन तट मंडलेश्वर स्थित माँ नर्मदा आश्रय के समीप निमार्णाधीन ह्यमाँ रेवा द्वारह्ल जल्द ही घाट की सुंदरता में चार चांद लगाएगा। राजस्थानी लाल पत्थरों से तैयार हो रहा यह भव्य द्वार अपनी आकर्षक नक्काशी और प्राचीन स्थापत्य कला की झलक के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा।

लगभग 6 लाख 36 हजार रुपये की लागत से निर्मित हो रहे इस द्वार की चौड़ाई 25 फीट और ऊंचाई 23 फीट होगी। इसके निर्माण में उपयोग किए जा रहे विशेष लाल पत्थर राजस्थान से मंगवाए गए हैं। इन पत्थरों पर स्वस्तिक, शंख, हाथी, फूल एवं शुभ-लाभ जैसे मांगलिक प्रतीकों की सुंदर नक्काशी की गई है।

धूप और पानी के संपर्क में आने से बढ़ती है मजबूती

द्वार निर्माण में लगे राजस्थान के शिल्पी राजेश जाट ने बताया कि



लाल पत्थर की विशेषता यह है कि धूप और पानी के संपर्क में आने से इसकी मजबूती और बढ़ती है। पत्थरों को विशेष केमिकल एवं लॉकिंग सिस्टम के माध्यम से जोड़ रहे है। नप अध्यक्ष विश्वदीप मोयदे ने बताया कि नगर को सुंदर और आकर्षक बनाने के अभियान में माँ रेवा द्वार एक मील का पत्थर साबित होगा। इसका निर्माण कार्य प्रगति पर है। लगभग एक सप्ताह में इसे पूर्ण कर लिया जाएगा।

धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है घाट प्रवेश द्वार

माँ रेवा द्वार के धार्मिक महत्व पर कथावाचक पंडित पंकज मेहता ने बताया कि जिस प्रकार मंदिर के द्वार पर प्रणाम करने से भक्तों को देवता का आशीर्वाद प्राप्त होता है, उसी प्रकार घाट पर बने द्वार का भी विशेष धार्मिक महत्व होता है। घाट को मंदिर के समान पवित्र मानते हुए वहां बने द्वार को श्रद्धा और आस्था का प्रतीक माना जाता है।मान्यता है कि ऐसे द्वार में गंगा, यमुना, श्री, संपत्ति और कीर्ति का वास होता है। यह द्वार व्यक्ति को शुभाशीष प्रदान करने के साथ नगर की उन्नति, समृद्धि और ऐश्वर्य का प्रतीक भी माना जाता है। माँ रेवा द्वार के निर्माण से नर्मदा घाट की सुंदरता बढ़ेगी।

लंबित मामलों का निराकरण करें साक्ष्य संकलन की मजबूती पर जोर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। जिले में लंबित अपराधों की बढ़ती संख्या, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और गंभीर आपराधिक मामलों के निराकरण को लेकर पुलिस महकमे की कार्यप्रणाली अब पुलिस महानिरीक्षक की निगरानी में रहेगी। इंदौर ग्रामीण जोन के पुलिस महानिरीक्षक अनुराग ने बुधवार को धार पहुंचकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागृह में जिले की अपराध समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने लंबित अपराधों के निराकरण में अनावश्यक देरी पर नाराजगी जताते हुए दो माह से अधिक समय से लंबित मामलों का प्रकरणवार परीक्षण कर शीघ्र निराकरण करने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही फरार एवं इनामी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रभावी कार्रवाई करने और गंभीर अपराधों की विवेचना में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की हिदायत दी।

बैठक में आईजी ने जिले की वार्षिक अपराध स्थिति की समीक्षा करते हुए लंबित विवेचनाओं, चालान की स्थिति, गंभीर एवं चिन्हित अपराधों तथा कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपराधों का निराकरण केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं



रहना चाहिए, बल्कि विवेचना की गुणवत्ता और आरोपियों के विरुद्ध जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर मजबूत वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

गंभीर अपराधों में मजबूत साक्ष्य जुटाने पर जोर

आईजी ने हत्या, हत्या के प्रयास, लूट और डकैती जैसे गंभीर अपराधों की समीक्षा करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में पुलिस की कार्रवाई प्रभावी और तथ्यपरक होनी चाहिए। घटनास्थल से साक्ष्य संकलन, गवाहों के बयान और अन्य तकनीकी साक्ष्यों को विवेचना का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाते हुए आरोपियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई की जाए। जिन मामलों में आरोपी अभी तक फरार हैं, उनमें उनकी तलाश तेज की जाए। स्थायी वारंट और गिरफ्तारी वारंट की तामीली में भी तेजी लाने के निर्देश दिए गए। इनामी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष प्रयास करने को कहा गया।

महिला और बाल अपराधों में संवेदनशीलता जरूरी

महिला एवं बाल अपराधों की समीक्षा के दौरान आईजी ने विवेचना में संवेदनशीलता बरतने और निर्धारित समय-सीमा में जांच पूरी करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में पीड़ितों को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। पुलिस अधिकारी समयबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए साक्ष्यों का संकलन करें, ताकि आरोपियों को कानून के दायरे में लाकर न्यायालय में प्रभावी पैरवी की जा सके।

नशा, जुआ-सट्टा और अवैध हथियारों पर कार्रवाई के निर्देश

जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध शराब, जुआ-सट्टा और हथियारों के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए भी आईजी ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सूचना तंत्र मजबूत करने और ऐसी गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध प्रभावी वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। चोरी और नकबजनी जैसे संपत्ति संबंधी अपराधों में बरामदगी बढ़ाने तथा लंबे समय से अनसुलझे मामलों का शीघ्र खुलासा करने को भी कहा। बैठक में पुलिसिंग को तकनीक आधारित बनाने पर भी जोर दिया गया। आईजी ने सीसीटीएनएस, ई-साक्ष्य और डिजिटल साक्ष्यों का बेहतर उपयोग करने के निर्देश दिए। साइबर अपराधों की विवेचना में तकनीकी दक्षता बढ़ाने के साथ न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की प्रभावी पैरवी करने और दोषसिद्धि का प्रतिशत बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास करने को कहा।

पंचमुखी हनुमान मंदिर पर 52 भोग लगाकर की गई महाआरती

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

नलखेड़ा। नगर के चौक बाजार स्थित प्रसिद्ध श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर पर मंगलवार रात्रि को श्री पंचमुखी हनुमान भक्त मंडल द्वारा भव्य अन्नकूट महोत्सव का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर भगवान श्री पंचमुखी हनुमान जी को छप्पन भोग अर्पित कर भव्य महाआरती की गई।

महोत्सव के दौरान मंदिर में आकर्षक साज-सज्जा की गई, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर नजर आया। भगवान के दर्शन एवं अन्नकूट महोत्सव में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। भक्तों ने भगवान के दर्शन कर धर्मलाभ लिया तथा छप्पन



भोग के दर्शन किए।महाआरती के पश्चात अन्नकूट प्रसादी का वितरण प्रारंभ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। भक्तों की भारी भीड़ के चलते मंदिर परिसर में देर रात तक धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहा।श्री पंचमुखी हनुमान भक्त मंडल के सदस्यों द्वारा आयोजन की व्यवस्थाएं संभाली गईं।

रोजगार मेले में 93 युवाओं का प्रारंभिक चयन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आगर-मालवा। युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिासकीय महाविद्यालय बड़ोद में युवा संगम (रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला) का आयोजन किया गया। मेले में युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न रोजगार एवं स्वरोजगार अवसरों के लिए पंजीयन कराया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वंदना शर्मा, जिला रोजगार अधिकारी संजीव कुमार पाटिल माँ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन कर किया गया।

रोजगार मेले में कुल 145 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 93 शिक्षित बेरोजगार



युवक-युवतियों का विभिन्न रोजगार अवसरों के लिए प्रारंभिक चयन किया गया। स्वरोजगार एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासन कि विभिन्न योजना मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना, प्रधानमंत्री अप्रेंटिसशिप योजना के अंतर्गत 13 आवेदकों का पंजीयन किया गया।

इसके अतिरिक्त, विभिन्न विभागों की स्वरोजगार योजनाओं के अंतर्गत ग्रामीण आजीविका मिशन, एनयूएलएम, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र (डीटीआईसी), उद्योग विभाग तथा आदिवासी कल्याण विभाग आदि के माध्यम से 243 हितग्राहियों को कुल 255 लाख रुपये की ऋण राशि का वितरण माह में किया गया ।

145 विद्यार्थियों एवं अभ्यर्थियों को मार्गदर्शन

मेले के दौरान लगभग 145 विद्यार्थियों एवं अभ्यर्थियों को करियर काउंसलिंग और रोजगार संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस अवसर पर ब्लू लीफ केयर, स्माइल फाउंडेशन वीजेए एग्रो बायो केयर भोपाल , जिला उद्योग विभाग आगर-मालवा, श्री जी सोलर रतलाम, पे प्वाइंट इंडिया लिमिटेड मुंबई, श्री सेठ इंडस्ट्री आगर, एल आई सी , तथा ए डब्लू पी एल, बी ओ आई आर सेटी,आयुर्वेदिक औषधि मार्केटिंग से जुड़े प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कंपनी प्रतिनिधियों ने अभ्यर्थियों के साक्षात्कार लिए तथा उन्हें रोजगार, कार्यक्षेत्र एवं उपलब्ध अवसरों की जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को उनकी शैक्षणिक योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना, उन्हें स्वरोजगार योजनाओं से जोड़ना तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना रहा।

इलेक्ट्रिक और मेडिकल दुकान में लगी भीषण आग

घंटों की मशक्कत के बाद पाया जा सका काबू

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। शहर के सनावद रोड़ पर जिला अस्पताल के सामने स्थित एक इलेक्ट्रिक दुकान और मेडिकल स्टोर में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग की विकराल लपटों ने दोनों दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने के लिए अथक प्रयास किए और कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित किया जा सका।

मिली जानकारी अनुसार जैतापुर थाना क्षेत्र के सनावद रोड पर गोगावां निवासी ललित सोनी की इलेक्ट्रिक दुकान है। मेडिकल दुकान कसरावद निवासी व्यवसायी संचालित कर रहे थे, जो दुकान बंद कर अपने-अपने घर लौटे थे।

आसपास के लोगों जब दुकान से धुआं उठते हुए देखा तो इसकी सूचना दुकान मालिक को दी। जिस पर वह दुकान पर पहुँचे, किन्तु उनके दुकान पर पहुंचने तक आग ने विकराल रुप धारण कर लिया था। दुकानदारों ने फिलहाल आग से हुए नुकसान के बारे में कोई जानकारी साझा करने से इंकार कर दिया। थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विकास ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में मजबूत होगी सड़क कनेक्टिविटी

धार-महू को 122.78 करोड़ की सड़कों की सौगात

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। धार-महू लोकसभा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में बड़ी पहल हुई है। सांसद एवं केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर के प्रयासों और अनुशंसा पर लोक निर्माण विभाग, मध्यप्रदेश शासन ने क्षेत्र की छह महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। इन परियोजनाओं पर कुल 122 करोड़ 78 लाख रुपये से अधिक की राशि खर्च की जाएगी। स्वीकृत कार्यों में बदनावर में फ्लाईओवर एवं सर्विस रोड निर्माण से लेकर ग्रामीण और आदिवासी अंचलों को मुख्य मार्गों से जोड़ने वाली सड़कें शामिल हैं।

इन परियोजनाओं को लोकसभा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। विशेष रूप से बदनावर में



फ्लाईओवर और सर्विस रोड निर्माण के लिए 49 करोड़ 93 लाख रुपये की स्वीकृति मिलने से यातायात व्यवस्था में सुधार की उम्मीद है। पिटगारा से राष्ट्रीय राजमार्ग-752 डी फोरलेन मार्ग तक सड़क निर्माण से क्षेत्रीय संपर्क और अधिक सुगम होगा।

छह परियोजनाओं पर इस प्रकार खर्च होगी राशि

लोक निर्माण विभाग द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं में एसएच-18 पर पिटगारा (बदनावर) से राष्ट्रीय राजमार्ग-752 डी फोरलेन मार्ग तक 4.25 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए 47 करोड़ 53 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। बदनावर में फ्लाईओवर एवं सर्विस रोड निर्माण के लिए 49 करोड़ 93 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है। इसी तरह ग्राम ननोदा से निम्बोल काकड़ तक 5.20 किलोमीटर मार्ग निर्माण के लिए 8 करोड़ 11 लाख 8 हजार रुपये, ग्राम देदली बी से ब्राह्मणगांव होते हुए सेंदला फाटा तक 2 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए 3 करोड़ 71 लाख 7 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। पिपली सोनगांव मेन रोड से अम्बापुर होते हुए सेंदला तक 5.40 किलोमीटर सड़क निर्माण पर 8 करोड़ 63 लाख 95 हजार रुपये तथा गंधवानी-चिकली मार्ग से साली गडरियापुर होते हुए सोयला मेन मार्ग तक 3 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए 4 करोड़ 85 लाख 58 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

ग्रामीण और आदिवासी अंचलों को सीधा लाभ

इन सड़क परियोजनाओं का सबसे बड़ा लाभ ग्रामीण एवं दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों को मिलने की उम्मीद है। बेहतर सड़कें बनने से गांवों का जिला मुख्यालय और प्रमुख बाजारों से संपर्क मजबूत होगा। किसानों को अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी, वहीं विद्यार्थियों को स्कूल-कॉलेज आने-जाने और मरीजों को स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में कम परेशानी होगी। व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। सांसद सावित्री ठाकुर ने इस स्वीकृति पर कहा कि विकास केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्र में सड़क, रेल, उद्योग, बिजली, पेयजल, सिंचाई और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में धार लोकसभा क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय भाई-बहनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए औद्योगिक विकास, बेहतर रेल एवं सड़क कनेक्टिविटी, विद्युत आपूर्ति, पेयजल और सिंचाई सुविधाओं का विस्तार आवश्यक है।

एसपी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। जिले में उत्कृष्ट कार्य, कर्तव्यनिष्ठा और सराहनीय पुलिसिंग के लिए पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला ने शुजालपुर मंडी, मोहन बड़ोदिया एवं सुनेरा थाने के पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को पुलिस प्राइड पुरस्कार से सम्मानित किया।

थाना शुजालपुर मंडी पुलिस ने आईटी एक्ट के प्रकरण में अवैध रूप से एडवाइजरी ऑफिस संचालित कर मोबाइल और फर्जी सिम कार्ड के माध्यम से लोगों से धोखाधड़ी करने वाले आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की थी। तकनीकी साक्ष्यों और बैंक खातों की जानकारी के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई में सराहनीय भूमिका निभाने पर आरक्षक संजय परमार को पुलिस प्राइड पुरस्कार दिया गया। इसी प्रकार सुनेरा पुलिस ने 14 नवंबर को आर्म्स एक्ट के प्रकरण में कार्रवाई करते हुए आरोपी के कब्जे से एक अवैध देशी 315 बोर कट्टा, एक जिंदा कारतूस और मोटरसाइकिल बरामद की थी। इस कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले उपनिरीक्षक डी. लकड़ा, आरक्षक अभिषेक गुप्ता और आरक्षक गोविन्द चन्द्रवंशी को



पुलिस प्राइड पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मोहन बड़ोदिया पुलिस ने बरामद किए थे चोरी गए भैंस और पाड़ा

मोहन बड़ोदिया थाना क्षेत्र में 21 अक्टूबर को एक वेयरहाउस के अंदर से अज्ञात बदमाश मुर्रा नस्ल की भैंस और पाड़ा चोरी कर ले गए थे। पुलिस ने साइबर सहायता और मजबूत मुखबिर तंत्र के आधार पर आरोपियों को चिह्नित कर पूछताछ की तथा करीब 70 हजार रुपये कीमत के चोरी गए भैंस और पाड़े को बरामद किया था। इस उत्कृष्ट कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रधान आरक्षक हेमेन्द्र सिंह जादौन, आरक्षक सोनू यादव और आरक्षक कपिल यादव को सम्मानित किया गया।

सरकारी राशि की बर्बादी और विभाग-ठेकेदार के बीच मिलीभगत की आशंका को लेकर उठने लगे सवाल

गारंटी 5 साल की, एक सप्ताह में उखड़ने लगा मंडलेश्वर-जलूद मार्ग

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

मंडलेश्वर। मंडलेश्वर से जलूद जाने वाले मार्ग पर पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा बनाई जा रही डामर सड़क की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। निर्माण कार्य पूरा हुए अभी महज एक सप्ताह ही हुआ है और सड़क की ऊपरी सतह से गिट्टी उखड़ने लगी है। ऐसे में सवाल उठता है कि जिस सड़क का निर्माण करोड़ों रुपये की लागत से कराया जा रहा है, उसकी हालत शुरूआत में ही खराब होने लगे तो उसकी गुणवत्ता कितनी टिकाऊ होगी?

जानकारी के अनुसार, करीब दो किलोमीटर लंबे इस सड़क निर्माण का ठेका ठेकेदार राहुल जायसवाल को दिया गया है। पीडब्ल्यूडी मंडलेश्वर के इंजीनियर सुनील जमरे ने जानकारी देते हुए बताया कि सड़क निर्माण का ठेका करीब 1 करोड़ 79 लाख रुपये में दिया गया है। साथ ही उन्होंने बताया कि निर्माण के बाद पांच साल तक सड़क के रखरखाव और खराबी आने पर सुधार की जिम्मेदारी ठेकेदार की रहेगी।



विभाग की कार्यप्रणाली पर खड़ा हुआ सवाल

यहीं से विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा होता है। यदि सड़क की पहली परत बनने के महज एक सप्ताह के भीतर ही गिट्टी उखड़ने लगी है तो विभाग ठेकेदार से तत्काल सुधार कार्य क्यों नहीं करवा रहा है? पांच साल की रखरखाव अवधि का हवाला देकर क्या वर्तमान में सामने आई निर्माण संबंधी खामियों को नजरअंदाज किया जा सकता है? जब निर्माण के शुरूआती दिनों में ही सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं तो उसे तत्काल दुरुस्त करवाने के बजाय भविष्य में सुधार की जिम्मेदारी बताना समझ से परे है। पीडब्ल्यूडी विभाग की अधिकारी दिव्या सिंह डूडवे ने बताया कि सड़क का समय-समय पर निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने भी स्वीकार किया कि पहली लेयर में कुछ स्थानों पर गिट्टी उखड़ने की समस्या सामने आई है। इस संबंध में ठेकेदार से चर्चा की गई थी। ठेकेदार द्वारा दीपावली की छुट्टियों का हवाला दिया गया था।

पांच साल की जिम्मेदारी है तो आज की खामी का सुधार कब?

क्षेत्र में अब यह सवाल उठ रहा है कि यदि सड़क की गुणवत्ता में अभी से कमी दिखाई दे रही है तो विभाग को संबंधित स्थानों पर तकनीकी जांच करवाकर नियमानुसार खराब हिस्से को तत्काल दुरुस्त करवाना चाहिए। केवल पांच साल तक रखरखाव की जिम्मेदारी ठेकेदार की होने की बात कहकर वर्तमान खामियों को नजरअंदाज करना उचित नहीं है। यदि शुरूआत में ही सड़क की गिट्टी उखड़ने लगी है तो आने वाले समय में सड़क की स्थिति और खराब होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसी स्थिति में सरकारी धन से बनी सड़क को दोबारा सुधारने या बनाने की नौबत आ सकती है, जिससे शासन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा।

विभाग और ठेकेदार की भूमिका पर उठ रहे सवाल

निर्माण में सामने आई खामियों के बावजूद यदि काम जारी रहता है और खराब हिस्से को तत्काल सुधारने की कार्रवाई नहीं होती है तो विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। स्थानीय स्तर पर विभाग और ठेकेदार के बीच मिलीभगत की आशंका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि इस संबंध में किसी प्रकार की मिलीभगत की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन पूरे मामले की निष्पक्ष तकनीकी जांच जरूरी है। अब देखना यह होगा कि पीडब्ल्यूडी के वरिष्ठ अधिकारी सड़क की गुणवत्ता की जांच करवाते हैं या पांच साल की रखरखाव जिम्मेदारी का हवाला देकर मामले को टालते रहेंगे। जनता की मांग है कि सड़क की निर्धारित मोटाई, डामर की मात्रा, निर्माण सामग्री और गुणवत्ता की जांच करवाई जाए तथा जहां भी तकनीकी खामी मिले, वहां नियमानुसार खराब हिस्से को हटाकर दोबारा गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराया जाए। आखिर सरकारी धन जनता का है और उसकी बर्बादी की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

शहरी क्षेत्र में गरीब लोगों को नहीं मिल रहे है आवासीय पट्टे

पट्टा वितरण पर रोक लगाने के फैसले का आधार सार्वजनिक करने की मांग, ज्ञापन सौपा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

राजपुर। शहरी क्षेत्र में वर्षों से निवासरत गरीब, मजदूर एवं जरूरतमंद परिवारों को आवासीय पट्टे नहीं मिलने का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। इस समस्या को लेकर कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद नानेश चौधरी लोगों के साथ तहसीलदार कार्यालय पहुंचे और तहसीलदार आकाश यादव को आवेदन सौंपकर पात्र परिवारों को पट्टे दिलाने की मांग की।

इस दौरान नानेश चौधरी ने बताया कि पूर्व में शहरी क्षेत्र में पात्र लोगों को आवासीय पट्टे वितरित किए जा चुके हैं, लेकिन अब जरूरतमंद लोगों को पट्टे देने से इनकार किया जा रहा है। उन्हें बताया जा रहा है कि अब पट्टे नहीं दिए जाएंगे। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर ऐसा कौन सा संशोधन या आदेश जारी किया गया है, जिसके आधार पर पट्टा वितरण रोक दिया गया है? यह संशोधन कब किया गया और इसके पीछे शासन का क्या निर्णय है, इसकी स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक की जाना चाहिए।



आशियाने का कानूनी अधिकार नहीं मिल पा रहा

उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में बड़ी संख्या में गरीब एवं मजदूर परिवार कई वर्षों से निवास कर रहे हैं। लंबे समय से रहने के बावजूद उन्हें अपने आशियाने का कानूनी अधिकार नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर इन परिवारों को पट्टे देने में क्या परेशानी है और कौन से नियम उनके रास्ते में बाधा बन रहे हैं। तहसीलदार आकाश यादव ने आवेदन को आगे अपर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत कर कलेक्टर महोदय तक पहुंचाने तथा नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया और कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

प्रदेश सरकार तक उठाया जाएगा मुद्दा

नानेश चौधरी ने स्पष्ट कहा कि गरीबों को उनके अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। यदि इस मामले में शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती है तो वे तहसीलदार से लेकर एसडीएम, कलेक्टर और प्रदेश सरकार तक इस मुद्दे को पहुंचाएंगे। जरूरत पड़ी तो जनहित में बड़ा आंदोलन भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गरीबों के हक की लड़ाई में पीछे नहीं हटेंगे और सरकार को इस मुद्दे पर जवाब देना होगा।

अंतरजिला चोर गिरोह हुआ गिरफ्तार, 12 चोरी खुलीं



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। मेनगांव थानाक्षेत्र में विद्युत ट्रांसफार्मर से तेल, तार और खेतों से मिर्ची चोरी करने वाले एक अंतरजिला गिरोह का प पर्दाफाश किया गया है। गिरोह के 7 सदस्यों को गिरफ्तार कर 12 चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है।

बुधवार को एसपी रविंद्र वर्मा ने बताया कि विगत 5.6 माह से मेनगांव, ऊन, बरुड़ और गोगावां अहिरखेड़ा थाना क्षेत्र में ट्रांसफार्मर से तेल, क्वाइल, तार और मिर्ची चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। पुलिस थाना मेनगांव थाना प्रभारी मंशाराम रोमड़े ने विवेचना के दौरान कुछ संदिग्धों को चिन्हित किया। पुलिस टीम, मुखबिर सूचना और फुटेज के आधार पर पोखर रोड़ से दीपक हीरालाल, अक्षय छोटेलाल नोरिया, समीर राजेश गायकवाड़ और गणेश संतोष सागरे सभी निवासी रहिमपुरा को औजारों के साथ पकड़ा। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1500 लीटर ट्रांसफार्मर तेल, आठ ट्रांसफार्मर क्वाइल, 200 मीटर एल्यूमिनियम तार, 14 पोटले लाल मिर्ची, एक महिंद्रा पिकअप और दो मोटरसाइकिल जब्त की हैं।

माँ बगलामुखी मंदिर पर रामलीला आज से

नलखेड़ा। विश्व प्रसिद्ध सिद्धपीठ माँ बगलामुखी मंदिर पर आज से पांच दिवसीय मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी लीला महोत्सव का आयोजन प्रारम्भ होगा। प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से होने वाला यह धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन 23 नवम्बर तक प्रतिदिन 7 बजे प्रारम्भ होगा। इसमें प्रभु श्रीराम के जीवन से जुड़े प्रसंगों का मंचन किया जाएगा।

आयोजन में भगवान श्रीराम के जन्म से लेकर राज्याभिषेक तक के प्रमुख प्रसंगों का बाहर से आये कलाकारों द्वारा मंचन किया जाएगा। पांच दिवसीय इस आयोजन के प्रथम दिवस आज गुरुवार को शंकर विवाह, श्रीराम जन्म,तड़का वध व अहल्या उद्धार प्रसंग का मंचन होगा। 20 नवम्बर को धनुष यज्ञ,श्रीराम विवाह, वनगमन व केवट प्रसंग, 21 नवम्बर को दशरथ देवलोकगमन, भरत मिलाप व सीता हरण, 22 नवम्बर को शबरी प्रसंग, श्रीराम-सुग्रीव मैत्री व लंका दहन, 23 नवम्बर को लंका युद्ध, रावण वध व श्रीराम राज्याभिषेक प्रसंग का मंचन होगा।

28 गांव के किसानों को सिंचाई की सौगात

नखेरी डैम सिंचाई गेट का हुआ उद्घाटन, वॉल मेन एवं किसानों का किया सम्मान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

महू। विधानसभा क्षेत्र के किसानों के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। नखेरी डैम का सिंचाई गेट खोल दिया गया,जिससे क्षेत्र के हजारों किसानों को सिंचाई की सुविधा मिलेगी और उनकी फसलों को सीधा लाभ होगा।

भाजपा मंडल अध्यक्ष महेश यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में विधायक सुश्री उषा जी ठाकुर भोपाल संगठनात्मक प्रवास के कारण वर्चुअल रूप से जुडी,उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसान हितैषी सरकार है और किसानों के लिए सदैव तत्पर रहेगी। सिंचाई गेट



खोलने से किसानों को सिंचाई किसान हित में कार्य करने की करने में सुविधा होगी, इसमें किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आने दी जाएगी।कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा नेता कंचनसिंह चौहान ने की। उन्होंने सिंचाई गेट का विधिवत उद्घाटन किया और किसानों से संवाद कर सदैव बात कही। इस नई व्यवस्था से स्थानीय ग्रामीण क्षेत्रों में खुशी का माहौल है। किसानों के लिए सिंचाई व्यवस्था अब सुचारू रूप से संचालित हो सकेगी।

इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी सुभाष महोदय,जनपद अध्यक्ष सरदार मालवीय, इंदौरीलाल केलोत्रा, शैलेश गिरजे, सुनील तिवारी, रूपेश वाघमोड़े,सुभाष पाटीदार,वर्मसिंह,बीरबल डाबर, लक्ष्मण सिंगारे, सुनील गहलोत, विजय पाटीदार, अनिल दादक, धरमचंद कश्यप, सत्यनारायण परमार, प्रेम चौधरी, श्याम केलोत्रा, आनंदीलाल विश्वकर्मा, ललिता निनामा, गोपी पटेल, रमेश पाटीदार, सत्यनारायण कादंबरी, घनश्याम बढ़ियार, सहित सैकड़ो किसान एवं ग्रामीणजनो ने उपस्थित होकर जल संसाधन विभाग के कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट,क्षेत्रीय विधायक सुश्री उषा ठाकुर दीदी का आभार भी व्यक्त किया ।

40 वर्षीय युवक ने घर में फांसी लगाकर दी जान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अनूपपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत परसवार के कोयलारीटोला में मंगलवार शाम एक दुखद घटना सामने आई, जहां 40 वर्षीय युवक ने अपने कच्चे मकान के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार मृतक रामखेलावन कोल पिता केमला कोल कई वर्षों से मानसिक बीमारी से परेशान था। मंगलवार शाम परिजन जब उसे खाना देने के लिए घर पहुंचे और दरवाजा नहीं खुला, तो दरवाजा तोड़कर अंदर देखा। वहां युवक साड़ी के फंदे से लकड़ी की बल्ली पर लटका हुआ मिला।

घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा कार्रवाई

बुधवार सुबह मृतक के पिता केमला कोल द्वारा कोतवाली थाना अनूपपुर में सूचना दिए जाने पर सहायक उप निरीक्षक महिपाल नामदेव पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा कार्रवाई एवं गवाहों के बयान दर्ज किए। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

विद्यालय के नवीन भवन में प्रवेश के लिए छात्रों और अभिभावकों ने किया आंशिक आंदोलन

शिक्षा विभाग के जिलाधिकारियों ने नवीन भवन में प्राथमिक विद्यालय प्रारंभ करने के दिए मौखिक आदेश

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

महेश्वर। बुधवार को सीएम राईज स्कूल प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले छोटे बच्चों और उनके अभिभावकको ने सीएम राइस विद्यालय के नवीन भवन में प्रवेश करने के लिए आंशिक आंदोलन करते हुए बड़वाह -धामनोद मार्ग के जय स्तंभ चौराहे पर कुछ समय के लिए प्रदर्शन किया ।

इस दौरान सीएम राईज विद्यालय के प्राचार्य बिरजू गुप्ता, तहसीलदार कैलाश सस्तीया, के साथ अन्य प्रशासनिक अधिकारी, विद्यालय स्टाफ उपस्थित था आंदोलन के बाद सीएम राईज के प्राचार्य बिरजू गुप्ता ने विभागीय स्तर पर जिलाधिकारी से चर्चा की तत्पश्चात जिला



अधिकारियों ने नवीन भवन में प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों को स्कूल लगाने की फोन पर स्वीकृति दे दी जिससे प्राथमिक विभाग के विधार्थी खुशी से झूम उठे। विदित हो , की महेश्वर के बड़वाह -धामनोद पर लगभग 28 करोड़ की लागत से सीएम राइस विद्यालय का नवीन भवन बनकर विगत 6 माह से तैयार है लेकिन विधिवत शुभारंभ नहीं होने के कारण भवन पूरी तरह से खाली है, जबकि प्राथमिक विद्यालय के बच्चे नगर से डेढ़ किलोमीटर दूर शासकीय छात्रावास भवन में विद्या अध्ययन करने के लिए जा रहे थे जिसके कारण पालकों में भारी आक्रोश था।

समस्या का हो गया समाधान

इस संबंध में संस्था के प्राचार्य बिरजू गुप्ता ने बताया कि प्राथमिक स्तर के बच्चों की बैठक व्यवस्था को लेकर पालकों में नाराजगी थी अभिभावक नवीन विद्यालय भवन में स्कूल लगाने की मांग कर रहे थे आंदोलन के बाद जिला अधिकारियों से चर्चा करके मौखिक निदेर्शों के आधार पर नवीन भवन में गुरुवार से प्राथमिक विद्यालय प्रारंभ किया जाएगा। वहीं तहसीलदार कैलाश सस्तिया ने कहा कि नगर से लगभग डेढ़ -2 .00 किलोमीटर दूर प्राथमिक स्तर के बच्चों का स्कूल लग रहा था जिससे अभिभावक नाराज थे और उन्होंने सीएम राइस विद्यालय के नवीन भवन को प्रारंभ करने की मांग की थी संस्था के प्राचार्य द्वारा विभाग स्तर पर जिलाधिकारियों से चर्चा करके नवीन भवन में विद्यालय लगाने की मौखिक स्वीकृति मिल गई है इसलिए समस्या का समाधान हो गया।

विकास मिशन ग्रीन कमांडो का तीसरा चरण सफल

दुर्गम पहाड़ियों में स्वास्थ्य, संवेदनीलता की किरण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

बड़वानी। सेवा परमो धर्मः की भावना को चरितार्थ करते हुए बड़वानी जिले के सबसे दुर्गम और महाराष्ट्र सीमा से सटे वरला तहसील के धवली सेक्टर में जिला प्रशासन की अनूठी पहल ह्यमिशन ग्रीन कमांडो का तीसरा चरण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के कुशल नेतृत्व में चलाए गए इस महाअभियान के तहत सतपुड़ा की पहाड़ियों और बिखरे मजरों-फल्याओं तक स्वास्थ्य अमला पूरी प्रतिबद्धता के साथ पहुंचा।

धवली सेक्टर जिला मुख्यालय से करीब 118-120 किलोमीटर दूर एक ऐसा वनांचल क्षेत्र है, जहां गोई और अनेर नदियों के साथ कई बरसाती नाले बहते हैं। तीव्र ढलानों और भौगोलिक चुनौतियों



के बावजूद सेंधवा के वीर बलिदानी खाज्या नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ग्राउंड से बुधवार को इस मिशन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अभियान में सीएचओ, एएनएम, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताओं के रूप में 438 समर्पित स्वास्थ्य कर्मियों की 146 टीमें बनाई गईं। चार पहिया वाहनों के अलावा दुर्गम रास्तों पर सरपंच, सचिव और जीआरएस जैसे ह्यफल्या कोऑर्डिनेटरों के दोपहिया वाहनों की मदद ली गई।

553 बच्चों का टीकाकरण

कलेक्टर ने स्वयं अंतर्राज्यीय सीमावर्ती और पहाड़ी क्षेत्रों में पैदल चलकर ग्रीन कमांडो का हौसला बढ़ाया। अभियान के दौरान टीकाकरण और जन-स्वास्थ्य परीक्षण को मुख्य केंद्रबिंदु बनाया गया। इस महाअभियान की प्रमुख उपलब्धियों के तहत कुल 553 बच्चों का टीकाकरण किया गया, 1,068 ग्रामीणों की सिकलसेल जांच में 104 पॉजिटिव पाए गए, 149 गर्भवती महिलाओं की जांच में 104 नवीन गर्भवती महिलाएं चिन्हित हुईं, 85 बच्चों की 4डी जांच, 30 संभावित कुष्ठ रोगी और 52 संभावित टीबी मरीज खोजे गए।

125 जोड़ी चप्पलें तथा 250 बच्चों व महिलाओं को स्वेटर

इस अभियान में प्रशासनिक संकल्प के साथ सेंधवा के सामाजिक और व्यापारिक संगठनों का अभूतपूर्व जनसहयोग देखने को मिला। किराणा व्यापारी संघ द्वारा जरूरतमंद ग्रामीणों को 125 जोड़ी चप्पलें तथा कॉटन व्यापारी संघ द्वारा ठंड से बचाव के लिए 250 बच्चों व महिलाओं को स्वेटर वितरित किए गए। साथ ही विभिन्न संगठनों द्वारा शिक्षण सामग्री का भी सहयोग दिया गया। कलेक्टर श्रीमति जयति सिंह ने कहा कि हम सभी को अपनी क्षमता अनुसार समाजहित एवं जनकल्याण के कार्यों में सहभागिता निभानी चाहिए। निःस्वार्थ सेवा की भावना से किए गए छोटे-छोटे प्रयास भी समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शासन की मंशा, प्रशासन के दृढ़ संकल्प, स्वास्थ्य कर्मियों के अदम्य साहस और व्यापारियों के जनसहयोग के इस त्रिवेणी संगम ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जब सरकार और समाज कंधे से कंधा मिलाकर चलते हैं, तो विकास और ममता की किरणें फैलतीं हीं हैं।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह में बड़ा हादसाः दो श्रमिक गंभीर रूप से घायल

अनूपपुर। जिले के चचाई स्थित अमरकंटक ताप विद्युत गृह में मंगलवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब असेंडिंग ईएसपी (एरढ) में आपातकालीन विद्युत आपूर्ति के लिए लगाई गई डीसी बैटरी अचानक तेज धमाके के साथ फट गई। इस हादसे में वहां कार्यरत दो श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए।जानकारी के अनुसार घटना शाम करीब 7 बजे की है। बैटरी में अचानक हुए विस्फोट की चपेट में आने से धनपुरी निवासी मोहम्मद आरिफ और रामदास कोल घायल हो गए। मोहम्मद आरिफ आईएंडसी विभाग में ठेकेदार विनोद पांडे के अधीन कार्यरत थे, जबकि रामदास कोल असेंडिंग ईएसपी में काम करते थे। घटना के तत्काल बाद दोनों घायलों को अमरकंटक ताप विद्युत गृह स्थित एमपीईबी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया।

धान बेचकर लौट रहा किसान ट्रैक्टर से गिरने से गंभीर घायल

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

डबरा। देहात थाना क्षेत्र स्थित कृषि उपज मंडी में बुधवार को एक बड़ा हादसा हो गया। बरोठा गांव का रहने वाला एक किसान अपनी फसल (धान) बेचने के बाद ट्रैक्टर से वापस लौट रहा था, तभी जल्दबाजी में ट्रैक्टर के मडगार्ड (पहिए के ऊपर का हिस्सा) पर हाथ रखते वक्त उसका संतुलन बिगड़ गया और वह चलते ट्रैक्टर के पहिए की चपेट में आ गया। इस भीषण हादसे में किसान गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसा होते ही कृषि उपज मंडी परिसर में अफरा-तफरी और हड़कंप मच गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए घायल किसान को ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकाला। परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से उसे फौरन डबरा के सिविल अस्पताल पहुँचाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत ग्वालियर रेफर कर दिया।

मौके पर पहुँची पुलिस

मामले की जानकारी देते हुए डबरा एसडीओपी ने बताया कि कृषक बरोठा गांव का निवासी है। वह अपनी फसल बेचकर जल्दबाजी में घर लौट रहा था, इसी दौरान यह दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हुआ। पुलिस प्रशासन द्वारा तुरंत तत्परता दिखाते हुए ग्वालियर पुलिस को भी सूचित कर दिया गया था। घटना की सूचना मिलते ही डबरा थाना पुलिस मौके पर पहुँची और पूरे मामले की बारीकी से जांच शुरू कर दी है। मंडी परिसर में इस प्रकार की घटनाओं के सामने आने से किसानों और पल्लेदारों में सुरक्षा को लेकर चिंता और दहशत का माहौल है। दूसरी ओर, घायल किसान के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

लगातार हो रहीं है घटनाएं, पुलिस ने की आठ सदस्यीय टीम गठित

स्टेशन पर पांच दिन में तीन मासूमों को छोड़कर गईं दो महिलाएं, पुलिस जांच में जुटी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। रेलवे स्टेशन पर मासूम बच्चों को लावारिस छोड़ जाने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बीते पांच दिनों के भीतर दो अलग-अलग घटनाओं में दो महिलाएं अपने तीन छोटे बच्चों को स्टेशन पर छोड़कर चली गईं। हालिया मामला बुधवार का है, जब एक महिला अपने तीन बच्चों के साथ स्टेशन पहुंची और एक बच्चे को प्लेटफॉर्म पर ही छोड़कर दो अन्य बच्चों के साथ नर्मदा एक्सप्रेस में सवार होकर रवाना हो गई। इससे पहले 14 नवंबर को भी एक अज्ञात महिला छह महीने के बालक और डेढ़ साल की बच्ची को स्टेशन पर छोड़कर जा चुकी है।

आरपीएफ थाना प्रभारी नरेंद्र यादव के अनुसार, 17 नवंबर की शाम करीब 5:30 बजे एक महिला प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर तीन बच्चों के साथ नजर आई थी। कुछ देर बाद वह दो बच्चों



को लेकर नर्मदा ट्रेन में बैठ गई, जबकि तीसरा बच्चा प्लेटफॉर्म पर ही छूट गया। सूचना मिलते ही आरपीएफ ने बच्चे को सुरक्षित रेस्क्यू किया और देखभाल के लिए मातृछाया संस्था भेज दिया।

छह माह के बालक और डेढ़ वर्षीय बच्ची की माँ का सुराग नहीं

दूसरी ओर, 14 नवंबर (13 नवंबर की शाम) को लावारिस मिले छह माह के बालक और डेढ़ वर्षीय बच्ची की मां का अब तक कोई सुराग नहीं लग सका है। जीआरपी प्रभारी सुनील गुप्ता ने बताया कि परिजनों की तलाश के लिए जीआरपी और आरपीएफ की आठ सदस्यीय संयुक्त टीम गठित की गई है। टीम ने स्टेशन परिसर और आसपास के इलाकों में लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले हैं। एक फुटेज में महिला दोनों बच्चों के साथ दिखाई भी दी है, जिसमें बच्ची प्लेटफॉर्म पर खेलती और बालक महिला के पास नजर आ रहा है, लेकिन महिला की पहचान और गंतव्य का पता नहीं चल पाया है।

बाल कल्याण समिति ने पुलिस को बच्चों के माता-पिता या अभिभावकों की तलाश के लिए दो महीने का समय दिया गया है। निर्धारित अवधि में यदि बच्चों के परिजनों का पता नहीं चलता है, तो समिति कानूनी प्रावधानों के तहत बच्चों को गोद देने के लिए स्वतंत्र घोषित करने की प्रक्रिया पर निर्णय लेगी।

व्हॉलीबॉल में देवास को हराकर शाजापुर विजेता



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। शासकीय नवीन कॉलेज में संभाग स्तरीय व्हालीबाल (पुरूष) प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें 7 टीमों ने भाग लिया। जहां शाजापुर ने देवास को हराकर विजेता का खिलाब हासिल किया। जबकि देवास की टीम उपविजेता रही।

प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि शाजापुर विधायक अरूण भीमावद, विशेष अतिथि पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला, भाजपा नगर अध्यक्ष पं. आशीष नागर, सांसद प्रतिनिधि सोनू सोलंकी, विकास सिंदल, वंशराजसिंह जादौन उपस्थित रहें। अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. मीनू गिडवानी ने की। महाविद्यालय के क्रीडा अधिकारी सोनू मालवीय ने बताया कि संभागस्तरीय व्हालीबॉल प्रतियोगिता में उज्जैन संभाग से आगर-मालवा, देवास, रतलाम, मंदसौर, नीमच, उज्जैन एवं शाजापुर की टीमों ने सहभागिता की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक अरूण भीमावद ने कहा कि खेल के मैदान से अनुशासन सीखने को मिलता है। विशेष अतिथि प्रियंका शुक्ला ने कहा कि खेलों में हार जीत होती रहती है, परंतु खिलाड़ियों को प्रतियोगिताओं को एक अवसर के रूप में लेना चाहिए। भाजपा नगर अध्यक्ष आशीष नागर ने कहा कि खिलाड़ियों को पढाई के साथ साथ खेल की विभिन्न विधाओं में भी भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का परिचय देना चाहिए। समापन समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पाण्डेय, विशेष अतिथि भाजपा नगर अध्यक्ष आशीष नागर एवं जिला सह-संयोजक सोशल मीडिया पवन केरवाल उपस्थित रहे।

भगवान महाकाल की सवारी का सारथी श्यामू अब वनतारा पहुँचा

बेहतर इलाज के लिए गुजरात भेजा गया, टीबी की बीमारी से जूझ रहा श्यामू

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। भगवान महाकाल जी की सवारी में करीब नौ साल तक अगुवाई करने वाला श्यामू हाथी अब गुजरात के जामनगर स्थित 'वनतारा' में रहेगा। पैरों में गंभीर परेशानी और टीबी की बीमारी से जूझ रहे श्यामू को बेहतर चिकित्सा और देखभाल के लिए विशेष रेस्क्यू वाहन से गुजरात रवाना कि गया। 15 सदस्यीय टीम, जिसमें विशेषज्ञ डॉक्टर और महावत शामिल थे, विशेष वाहन और टैंकर के साथ उज्जैन पहुंची थी।

नए माहौल में श्यामू को किसी तरह की असहजता न हो, इसके लिए उसके परिवार के दो सदस्य और महावत हरिनारायण व शिवनारायण भी उसके साथ जामनगर गए हैं।



श्यामू लंबे समय से अस्वस्थ पैर टेढ़े होने लगे थे

वन विभाग के डीएफओ अनुराग तिवारी के अनुसार, इंदौर रोड स्थित साईंनाथ कॉलोनी में अपने मालिक सरमन गिरि के साथ रहने वाला श्यामू लंबे समय से अस्वस्थ चल रहा है। उसके पैर टेढ़े होने लगे थे और वह टीबी से पीड़ित था। स्थानीय स्तर पर इलाज के बावजूद स्वास्थ्य में सुधार नहीं हो रहा था। करीब पांच महीने पहले इंदौर चिड़ियाघर प्रभारी उत्तम यादव, उज्जैन के पशु चिकित्सक डॉ. मुकेश जैन और पन्ना टाइगर रिजर्व के डॉ. संजय गुप्ता की टीम जांच के लिए खून का सैंपल लेने पहुंची थी, लेकिन तब मालिक और परिजनों के विरोध के कारण सैंपल नहीं लिया जा सका था।

स्वेच्छा से श्यामू को दान करने का लिखित आवेदन

लगातार गिरती सेहत को देखते हुए अंततः हाथी के मालिक ने स्वेच्छा से श्यामू को दान करने का लिखित आवेदन दिया। वन विभाग के एसडीओ विक्रम सिंह सोलंकी ने बताया कि भोपाल से ट्रांसपोर्ट परमिट जारी होने और सभी वैधानिक अनुमतियां मिलने के बाद वनतारा व उज्जैन वन विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से उसका रेस्क्यू किया।

श्यामू के बदले मालिक को दूसरा हाथी दिया जाएग

वनतारा की ओर से श्यामू के बदले मालिक को दूसरा हाथी दिया जाएगा, वहीं, श्यामू की देखरेख के लिए साथ गए हरिनारायण और शिवनारायण को वनतारा में 30 से 40 हजार रुपये मासिक वेतन पर नौकरी और आवास की सुविधा दी गई है, जहां वे अपनी इच्छा से रह सकेंगे। मालिक सरमन गिरि ने भावुक होते हुए बताया कि वर्ष 2006 में रामू हाथी से बाबा महाकाल की सेवा शुरू हुई थी, जिसके बाद 2016 से 2025 तक श्यामू ने यह जिम्मेदारी निभाई। परिवार के सदस्य की तरह पला श्यामू अब वनतारा में स्वस्थ जीवन की नई शुरूआत करेगा।

महिलाओं में पोलायकलां पुरूष वर्ग में शुजालपुर जीती

शासकीय कन्या महाविद्यालय में हुई खो-खो प्रतियोगिता



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। शासकीय कन्या महाविद्यालय में जिला स्तरीय महिला-पुरुष खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के 7 महाविद्यालयों की टीम ने हिस्सा लिया। शासकीय कन्या महाविद्यालय शाजापुर एवं शासकीय महाविद्यालय मोहन बड़ोदिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में महिला वर्ग में जहां पोलायकलां की टीम विजेता रही तो पुरुष वर्ग में शुजालपुर की टीम ने जीत हासिल की।

इसके पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन शासकीय कन्या महाविद्यालय के प्राचार्ययतीश धाकड़ द्वारा किया गया। जिन्होंने मैदान पर भी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल भावना का प्रदर्शन करने की बात कही। उक्त प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न महाविद्यालय के कीड़ा अधिकारी सोनू मालवीय, डॉ. सूरज जाट, डॉ. नवीन चौधरी, डॉ. अनिल पाटीदार, अभय भोसले, डॉ. सीमा बैरागी उपस्थित रहे। निर्णायक की भूमिका गिरीश सोनी एवं संदीप चौधरी ने निभाई। उक्त जानकारी कन्या महाविद्यालय के कीड़ा अधिकारी डॉ. युगल किशोर शर्मा ने दी। साथ ही सैलाना में होने वाली संभाग स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता के लिए मंगलवार को ही चयन प्रक्रिया भी की गई। जिसमें जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों का संभागीय टीम के लिए चयन किया गया।

स्वास्थ्य शिविर में 71 का दंत परीक्षण

10 तंबाकू सेवन करने के इच्छुक व्यक्तियों को वितरित की गई निःशुल्क निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। जिले में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम एवं तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 के अंतर्गत मंगलवार को आंगनवाड़ी केंद्र पुनर्वास, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतवास, विकासखंड कन्नौद में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में 71 आमजन का दंत परीक्षण किया गया तथा उन्हें तंबाकू, बीड़ी एवं सिगरेट के सेवन से होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक ने बताया कि शिविर के दौरान दंत चिकित्सा अधिकारी डॉ. सृष्टि गुप्ता द्वारा तंबाकू सेवन से होने वाली मुंह एवं दांतों से संबंधित बीमारियों तथा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही तंबाकू की लत छोड़ने



के इच्छुक लोगों को निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एनआरटी) के महत्व एवं उपयोग के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। शिविर में तंबाकू छोड़ने के इच्छुक 10 व्यक्तियों को निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एनआरटी) की दवा वितरित की गई, जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं। इन सभी व्यक्तियों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतवास में उपचार जारी रखा जाएगा।

शिविर का उद्देश्य तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना

शिविर का उद्देश्य आमजन को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा युवाओं एवं समुदाय को तंबाकू मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। सीएमएचओ डॉ. बेक ने बताया कि निर्धारित अवधि में जिले के विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, स्थानीय निकायों एवं अन्य हितधारकों के समन्वय से राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता एवं तंबाकू नियंत्रण संबंधी गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

इन गतिविधियों का संचालन राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. सनी चौरसे के प्रतिनिधित्व में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि तंबाकू छोड़ने के इच्छुक व्यक्ति जिला चिकित्सालय में संचालित तंबाकू व्यसन मुक्ति केंद्र तथा राष्ट्रीय तंबाकू निषेध हेल्पलाइन नंबर 1800-112-356 पर संपर्क कर आवश्यक परामर्श एवं सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

श्याम हरिहर धाम में सजेगा आस्था का दरबार

देवास। कैलादेवी स्थित गंगानगर में नवनिर्मित श्याम हरिहर धाम मंदिर में देवउठनी एकादशी एवं खाटू श्याम बाबा के जन्मोत्सव के अवसर पर 20 नवंबर को विभिन्न धार्मिक एवं भव्य आयोजन किए जाएंगे। इस अवसर पर मंदिर में भक्ति, श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। आयोजन को लेकर मंदिर समिति द्वारा तैयारियां की जा रही हैं। श्याम हरिहर धाम मंदिर के दयाशंकर यादव एवं दिलीप शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर भगवान खाटू श्याम का अलौकिक पुष्प श्रृंगार किया जाएगा तथा बाबा को छप्पन भोग अर्पित किए जाएंगे। एकादशी के दिन मंदिर के कपाट प्रातः 6 बजे से देर रात तक श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुले रहेंगे। उन्होंने बताया कि शाम 6 बजे से ज्योत दर्शन प्रारंभ होंगे। आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को फरियाली खिचड़ी का वितरण किया जाएगा। वहीं रात्रि 8 बजे से प्रसिद्ध भजन गायक अंश जैन एवं उनकी मंडली द्वारा भव्य भजन संध्या प्रस्तुत होगी।

विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट में शानदार प्रदर्शन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। मेरा युवा भारत (माय भारत) के तत्वावधान में शासकीय आईटीआई महाविद्यालय संस्थान, देवास में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय नशा मुक्ति - युवा फॉर विकसित भारत रहा। इसमें जिले के युवाओं ने नशा मुक्ति एवं राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर अपने प्रभावशाली विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय संस्थान की प्रबंध समिति के सदस्य शुभम राव जाधव एवं महाविद्यालय के प्राचार्य राजेश कुमार उइके



उपस्थित रहे। अतिथियों ने युवाओं को सामाजिक सरोकारों से जुड़ने तथा नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। जिला युवा अधिकारी एवं उपनिदेशक तारा पारगी के निर्देशन में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में फाजिल खान ने प्रथम, खुशी कुशवाह ने द्वितीय तथा राजवीर सेंधव ने तृतीय स्थान प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया। इसके साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 20 प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया।

मंगलसूत्र चुराने वाली महिला गिरफ्तार, साथी फरार

देवास। सराफा बाजार में खरीदारी के बहाने पहुंचीं दो महिलाओं ने एक मंगलसूत्र खरीदा और दूसरा चुरा लिया। कोतवाली पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से दोनों की पहचान कर गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से चोरी किया गया मंगलसूत्र भी बरामद किया, जिसकी कीमत करीब 70 से 75 हजार रुपए है। फरियादी दीपक पिता विजय कुमार सोनी की सराफा बाजार में दीपक ज्वेलर्स नाम से दुकान है। 12 नवंबर को दो महिलाएं सोने की चेन और मंगलसूत्र खरीदने पहुंचीं। उन्होंने दुकानदार को बातचीत में उलझाए रखा, एक मंगलसूत्र खरीदा और उसका भुगतान किया। इसी दौरान उन्होंने दूसरा मंगलसूत्र चुरा लिया। महिलाओं के जाने के बाद दीपक ने सामान जांचा तो एक मंगलसूत्र गायब मिला। उन्होंने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई।

आयोजन रॉयल राजपूत क्लब ने धूमधाम से मनाया दीपावली मिलन समारोह

प्रतिभाओं एवं समाजसेवियों का किया सम्मान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। रॉयल राजपूत क्लब देवास द्वारा दीपावली मिलन समारोह का भव्य आयोजन शहर के प्रतिष्ठित खेड़ापति इंटरनेशनल होटल, सिविल लाइन देवास में किया गया। समारोह में राजपूत समाज के महिला, पुरुष एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। आयोजन में सभी आगंतुक राजपूताना पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए। पारंपरिक परिधानों को लेकर आयोजित बेस्ट ट्रेडिशनल ड्रेस प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही। इसमें कु. महेंद्र सिंह परिहार को सपत्नीक, तृप्तिका बाईसा, इशू बाईसा एवं तीर्थराज बना को बेस्ट ट्रेडिशनल ड्रेस अवॉर्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन एवं माँ सरस्वती जी तथा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर रॉयल राजपूत क्लब देवास के परिचय, उद्देश्यों,



गत वर्ष आयोजित कार्यक्रमों एवं आगामी आयोजनों की जानकारी देते हुए कु. प्रवीण सिंह चावड़ा ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में राजपूत समाज के मेधावी विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक प्रावीण्यता के आधार पर सम्मानित किया गया, वहीं भरतनाट्यम में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सुश्री प्रसिका, सुपुत्री ठाकुर प्रद्युम्न सिंह राठौड़ को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। भारतीय सेना से सेवानिवृत्त एवं ऑपरेशन सिंदूर में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने वाले कर्नल लेफ्टिनेंट ठाकुर रामपाल सिंह चावड़ा को भी विशेष सम्मान अवॉर्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राजपूत समाज के गौरवशाली इतिहास पर प्रश्नोत्तरी

समारोह में राजपूत समाज के गौरवशाली इतिहास, परंपराओं एवं रीति-रिवाजों पर आधारित प्रश्नोत्तरी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरुषों की पारंपरिक वेशभूषा का मूल्यांकन केसरिया परिधान के संचालक कु. सुरेंद्र सिंह चावड़ा द्वारा निर्णायक के रूप में किया। इस अवसर पर समाजसेवी ठाकुर अनूप सिंह जादौन, डॉ. राजेंद्र सिंह पंवार, राघवेंद्र सिंह राजपूत, ठाकुर प्रद्युम्न सिंह राठौड़, सर्वजीत सिंह पंवार एवं ठाकुर रामपाल सिंह चावड़ा ने अपने प्रेरक संबोधनों के माध्यम से समाज की एकता, संस्कृति, परंपरा एवं भावी पीढ़ी को गौरवशाली इतिहास से जोड़ने का संदेश दिया। आयोजन में ठा. महिपाल सिंह जादौन, ठा. महिपाल सिंह चावड़ा, ठा. नरेंद्र सिंह चावड़ा, ठा. महेंद्र सिंह चौहान, ठा. घनश्याम सिंह चावड़ा, कु. हिम्मत सिंह चावड़ा, ठा. ललित सिंह चावड़ा, ईश्वर सिंह चावड़ा, कु. नरेंद्र सिंह पंवार, कु. वेदांत सिंह चौहान, कृष्णपाल सिंह राठौड़, दिलीप सिंह राठौड़, कु. गिरीवेश सिंह चौहान, कु. अभयराज सिंह पंवार, कु. यशवर्धन सिंह राठौड़, कु. हृदयराज सिंह चावड़ा आदि मौजूद रहे।

हमें भी दिया जाए नर्मदा का पानी चौहानी के ग्रामीणों ने उठाई मांग

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। जिले के ग्राम चौहानी गांव के किसानों ने मंगलवार को जनसुनवाई में ज्ञापन सौंपकर नर्मदा सिंचाई परियोजना से जोड़ने की मांग की है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि गांव को नर्मदा सिंचाई परियोजना की लाइन से बाहर रखा गया है। उनका कहना है कि इससे सैकड़ों किसानों को सिंचाई की सुविधा नहीं मिलेगी।

ग्रामीणों और किसानों ने जिला जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर के नाम आवेदन दिया। उन्होंने चौहानी को नर्मदा सिंचाई परियोजना से जोड़ने की मांग की। आवेदन में बताया कि चौहानी गांव शाजापुर तहसील और जिले में आता है। गांव की निजी कृषि भूमि 697.940 हेक्टेयर यानी करीब 2,759.44 बीघा है। ग्रामीणों ने कहा कि गांव



को परियोजना में शामिल नहीं किया गया तो किसानों को सिंचाई की सुविधा नहीं मिलेगी और उन्हें आर्थिक नुकसान हो सकता है। ग्रामीणों के अनुसार चौहानी के आसपास के गांवों में परियोजना का काम चल रहा है। गांव के पूर्व में सेतखेड़ी, पश्चिम में आक्या, उत्तर में बापचा और दक्षिण में चौसला कुल्मी है। इन इलाकों में काम जारी है, लेकिन चौहानी को परियोजना से बाहर रखा गया है। किसानों का कहना है कि आसपास के गांवों को परियोजना का लाभ मिल रहा है, इसलिए चौहानी को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। इससे किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा और कृषि उत्पादन बढ़ सकता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से जल संसाधन विभाग के जरिए जरूरी कार्रवाई कराने और चौहानी को मध्यप्रदेश शासन की नर्मदा सिंचाई परियोजना से जोड़ने की मांग की है।

सुबह 9:55 से 10 बजे के बीच ठप हो जाता है पोर्टल, टोकन कटवाने के नाम पर साइबर कैफे

ई-टोकन के नाम पर चल रही खुली लूट संचालक वसूल रहे मनमाने दाम

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। जिले में रबी सीजन की बोवनी शुरू होते ही अन्नदाताओं के सामने विकट संकट खड़ा हो गया है। कभी डीएपी तो कभी यूरिया की किल्लत और उसपर ई-टोकन प्रणाली की जटिलताओं ने किसानों की कमर तोड़ दी है। गुना जिले के दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों से लेकर जिला मुख्यालय तक किसान खाद की एक-एक बोरी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। सरकारी व्यवस्थाओं की नाकामी के कारण किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है, जिससे ग्रामीण अंचल में भारी आक्रोश व्याप्त है।

खाद वितरण के लिए लागू की गई ई-टोकन व्यवस्था किसानों के लिए किसी बड़ी मुसीबत से कम साबित नहीं हो रही है। किसानों का आरोप है कि मोबाइल या पोर्टल के जरिए ई-टोकन बुक करना बेहद जटिल है। जब किसान खुद ऑनलाइन टोकन बुक करने का प्रयास करते हैं, तो सर्वर डाउन रहता है या वेबसाइट ठप मिलती है। पोर्टल पर ठीक सुबह 9:55 से 10 बजे के बीच तकनीकी बाधा दिखाकर टोकन बंद बता दिए जाते हैं। टोकन जनरेट होने के समय रिटेलर या तो गायब रहते हैं या महज दो मिनट का मौका मिलता है, जिससे सर्वर धीमा होने के कारण टोकन बुक ही नहीं हो पाता। पूर्व में भी ऐसी ही तकनीकी कमियों के चलते सरकार को यह प्रणाली बंद करनी पड़ी थी, लेकिन दोबारा इसे शुरू किए जाने से किसानों की मुश्किलें फिर बढ़ गई हैं।

दूर-दराज के गांवों से लंबी दूरी तय करने की मजबूरी

गुना जिले के फतेहगढ़, चांचौड़ा और मधुसूदनगढ़ जैसे ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को ई-टोकन बुक कराने के लिए 10 से 20 किलोमीटर का सफर तय कर ऑनलाइन दुकानों तक पहुंचना पड़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या और मोबाइल ऐप की तकनीकी खामियों के कारण किसान खुद टोकन नहीं निकाल पा रहे हैं। नतीजा यह है कि उन्हें मजबूरी में साइबर कैफे या निजी ऑनलाइन दुकानों का रुख करना पड़ रहा है, जहां उन्हें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।



ऑनलाइन दुकानों पर खाद की बोरी के हिसाब से अवैध वसूली

ई-टोकन की जटिल प्रक्रिया का फायदा उठाकर ऑनलाइन दुकान संचालक किसानों से अनाप-शनाप रुपए वसूल रहे हैं। दुकानदारों द्वारा कोई तय शुल्क नहीं लिया जा रहा है, बल्कि खाद की बोरी के हिसाब से मनमाने पैसे वसूले जा रहे हैं, जिसका सरकारी नियमों या निर्धारित शुल्कों से कोई लेना-देना नहीं है। पहले ही आर्थिक तंगी से जूझ रहे किसानों को टोकन कटवाने के नाम पर हो रही इस अवैध लूट से दोहरी आर्थिक चोट लग रही है।

कृषि विभाग की उदासीनता और अधिकारियों की चुप्पी

किसानों की इस गंभीर समस्या और ऑनलाइन संचालकों की मनमानी पर स्थानीय कृषि विभाग के अधिकारियों ने पूरी तरह चुप्पी साध रखी है। अधिकारियों का अजीब तर्क है कि जब तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिलेगी, तब तक वे कार्रवाई नहीं कर सकते। मैदानी हकीकत से मुंह मोड़ने वाले इन अधिकारियों के रवैये से साफ जाहिर होता है कि उन्हें किसानों की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है। बिना किसी प्रशासनिक धरपकड़ के खुलेआम चल रही इस लूट से किसानों का शासन-प्रशासन के प्रति मोहभंग होता जा रहा है।

सरकारी केंद्रों पर खाद गायब और निजी दुकानों पर उपलब्धता पर सवाल

किसानों का सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सरकारी केंद्रों और डबल लॉक गोदामों पर खाद उपलब्ध नहीं होने की बात कही जाती है, तो आखिर खुले बाजार की निजी दुकानों पर खाद प्रचुर मात्रा में कहां से बिक रही है? किसानों का सीधा आरोप है कि कृषि विभाग के भ्रष्ट अधिकारियों की साठगांठ से जानबूझकर कृत्रिम किल्लत पैदा की जा रही है, ताकि कालाबाजारी को बढ़ावा मिले और मजबूर किसान ऊंचे दामों पर खाद खरीदने को विवश हों।

किसानों का सड़कों पर उतरा आक्रोश

यूरिया की किल्लत और कालाबाजारी के विरोध में हाल ही में अन्नदाता सड़कों पर उतर आए थे। बमोरी से कांग्रेस विधायक ऋषि अग्रवाल ने कृषि विभाग पर सीधा हमला बोलते हुए सवाल उठाया था कि सरकारी गोदामों में ताले लटके होने के बावजूद निजी दुकानों पर खाद कैसे मिल रही है। बोवनी के इस अहम समय में खाद की किल्लत, सर्वर की नाकामी और मनमानी वसूली से त्रस्त किसानों का सब्र अब जवाब देने लगा है। यदि समय रहते प्रशासन ने व्यवस्थाओं को दुरुस्त नहीं किया, तो यह आक्रोश बड़े आंदोलन का रूप ले सकता है।

हमें शिकायत नहीं मिली

ई-टोकन की प्रणाली आसान है। ऑनलाइन दुकानों पर टोकन बुक किया जा सकता है। लेकिन दुकानदार किसानों से ज्यादा पैसे ले रहे हैं तो इसकी शिकायत हमें नहीं मिली है। शिकायत आने पर एफआईआर दर्ज करा देंगे।

-संजीव शर्मा, प्रभारी उप संचालक कृषि विभाग, गुना

भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और गिरिराज पूजन पर गदगद भक्त

महामंडलेश्वर ब्रह्मचारी महाराज ने दिए संस्कार के सूत्र



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। शहर की सिसोदिया कॉलोनी में पिछले चार दिनों से जारी श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर ब्रह्मचारी महाराज ने लीला पुरुषोत्तम भगवान श्रीकृष्ण की मधुर मंगलमयी बाल लीलाओं का मनमोहक वर्णन किया और गिरिराज जी महाराज का विशेष पूजन संपन्न हुआ।

कथा के दौरान महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत के श्रवण मात्र से अनंत जन्मों के दुख और क्लेश नष्ट हो जाते हैं। जीवन में मनुष्य का पहला सहारा मां, फिर पिता, पत्नी और पुत्र होते हैं, लेकिन संतान ऐसी होनी चाहिए जिस पर पिता गर्व कर सके और वह पिता से भी अधिक यशस्वी बने। यदि बच्चा दुराचारी बनता है, तो उसके लिए कहीं न कहीं परिवार के संस्कारों की कमी दोषी होती है।

पाश्चात्य संस्कृति और आधुनिक जीवनशैली पर चिंता

कथा व्यास ने कहा कि आज की भागवत कथा में पाश्चात्य संस्कृति और आधुनिक जीवनशैली पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि चकाचौंध के इस दौर में बच्चों का खान-पान और आचरण दूषित हो रहा है। उन्होंने सलाह दी कि आज के बच्चों को चाय-टोस्ट के स्थान पर सुबह-सुबह मक्खन और रोटी को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए, जिससे वे स्वस्थ रह सकें और श्री कृष्ण के आदर्शों का अनुकरण कर सकें। महाराज ने कहा कि शक्ति और संपत्ति होने के बावजूद मन को भोगों से बचाए रखना ही असली संयम है। पराई स्त्री के प्रति मां की दृष्टि और पराए धन के प्रति मिट्टी के ढेले जैसी भावना होनी चाहिए। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर नंद बाबा द्वारा किए गए दानों का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन में अनजाने में होने वाली जीव हिंसा के प्रायश्चित और धन की शुद्धि के लिए किसान, व्यापारी और नौकरीपेशा लोगों को अपनी आय का दसवां हिस्सा तथा अचानक धन प्राप्ति वालों को आधा हिस्सा दान करना चाहिए। इस अवसर पर अशोक कुशवाह, डॉ. बी.पी. शर्मा, महामंडलेश्वर पप्पू जी महाराज और सागर इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शिवदत्त शर्मा सहित श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पौने तीन लाख की स्मैक के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

गुना। जिले में नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे ताबड़तोड़ अभियानों के तहत राघौगढ़ थाना पुलिस ने स्मैक तस्करी का एक बड़ा नेटवर्क बेनकाब किया है। पुलिस ने नेशनल हाईवे-46 पर श्रीराम ढाबे के पास घेराबंदी कर एक काली स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर सवार तीन शातिर तस्करों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों की तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 17.40 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1.72 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने बंटी (निवासी जाट मोहल्ला, गुना), रविशंकर उर्फ रवि मेर (निवासी गुलाबगंज, कैंट) और रामरस (निवासी स्याऊ, ग्वालियर) को रंगे हाथों पकड़ा।

सियासी खींचतान की भेंट चढ़ी 16 लाख की पुलिया

खतरनाक रास्ते से गुजरने को मजबूर रहवासी



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। शहर के वार्ड क्रमांक 27 स्थित राधा कॉलोनी और घोसीपुरा को जोड़ने वाले मार्ग पर पुलिया का निर्माण नहीं होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पुलिया के अभाव में रोजाना सैकड़ों लोग इस खतरनाक और ऊबड़-खाबड़ रास्ते से जान जोखिम में डालकर गुजरने को मजबूर हैं। सबसे अधिक दिक्कत महिलाओं, स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को उठानी पड़ रही है, जिनके लिए यहां से निकलना किसी चुनौती से कम नहीं है।

जानकारी के मुताबिक पार्षद और नगरपालिका में नेता प्रतिपक्ष शेखर वशिष्ठ के प्रयासों से बीते साल अप्रैल महीने में ही करीब 16 लाख रुपए की लागत से इस पुलिया के निर्माण को मंजूरी मिल गई थी। स्वीकृति मिलने के बाद क्षेत्रवासियों को जल्द ही सुगम रास्ते की उम्मीद जगी थी, लेकिन नगरपालिका में अध्यक्ष और सीएमओ के बीच चली आपसी खींचतान ने विकास कार्यों की रफ्तार रोक दी। इसी विवाद के चलते कई विकास कार्यों के टेंडर निरस्त कर दिए गए थे, जिसमें राधा कॉलोनी की यह महत्वपूर्ण पुलिया भी शामिल थी। टेंडर निरस्त होने के बाद से अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है, जिसका खामियाजा जनता भुगत रही है।

खिलाड़ियों ने किया कूनो उद्गम के साथ हनुमान टेकरी मंदिर का भ्रमण

70वीं राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्थित नोडल खेल केंद्र में आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय शालेय बास्केटबॉल प्रतियोगिता (14 वर्ष बालक-बालिका वर्ग) के तीसरे दिन खेल के साथ-साथ सांस्कृतिक व पर्यटन का अनूठा रंग देखने को मिला।

कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देश, जिला शिक्षा अधिकारी समर सिंह राठौर के मार्गदर्शन और जिला क्रीड़ा अधिकारी ओ.पी. शर्मा की मॉनिटरिंग में चल रही इस पांच दिवसीय प्रतियोगिता के दौरान आयोजन समिति ने प्रदेशभर से आए युवा खिलाड़ियों और ऑफिशियल स्टाफ को शहर के ऐतिहासिक व प्रसिद्ध स्थलों का भ्रमण कराया। इस दौरान खिलाड़ियों ने कूनो उद्गम स्थल और ऐतिहासिक टेकरी हनुमान मंदिर पहुंचकर गुना की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर का आनंद लिया, जिससे बच्चों में भारी उत्साह नजर आया। दूसरी ओर, मैदान पर भी रोमांचक मुकाबलों का दौर जारी रहा। नोडल खेल केंद्र प्रभारी मनोज शर्मा ने बताया कि बालक और बालिका वर्ग में खेले गए कड़े मुकाबलों के बाद अब तक के परिणामों के आधार पर बालक वर्ग में ग्वालियर संभाग तथा बालिका वर्ग में इंदौर और शहडोल संभाग की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में अपनी पक्की जगह बना ली है। मैचों के दौरान खिलाड़ियों ने तेज ड्रिब्लिंग, सटीक पासिंग और शानदार शूटिंग का बेहतरीन कौशल दिखाया गया।



तीन साल लिव-इन में रही, 50 हजार और जेवर लेकर रफूचक्कर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। बमौरी तहसील के ग्राम गोलाखेड़ी निवासी एक युवक ने एसपी ऑफिस पहुंचकर लिव-इन में रह रही महिला द्वारा घर से नकदी और गहने लेकर चले जाने की शिकायत की है। पीड़ित ने महिला के परिजनों पर मारपीट करने और झूठे केस में फंसाने की धमकी देने का भी गंभीर आरोप लगाया है।

आवेदक अभिषेक कुशवाह पुत्र भारत सिंह कुशवाह ने एसपी ऑफिस में शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि वह और मूल रूप से ग्राम खैजरा की रहने वाली महिला पिछले तीन साल से साथ रह रहे थे और वह जल्द ही कोर्ट मैरिज करने की प्रक्रिया पूरी करने वाला था। करवा चौथ के दूसरे दिन जब अभिषेक अपने पिता का इलाज कराने अस्पताल गया हुआ था, तब महिला बिना बताए घर में रखे 50 हजार रुपए नकद और गहने लेकर गायब हो गई। मक्का बेचकर लाई गई यह रकम घर में ही रखी थी। बाद में पता चला कि महिला अपने पूर्व पति के पास वापस चली गई है। पीड़ित के अनुसार, जब वह 2 नवंबर को महिला के रिश्तेदार से मिलने गुना स्थित बूढ़े बालाजी गया, तो महिला ने आने से साफ इंकार कर दिया और महिला के जेठ हेमू कुशवाह नामक युवक ने उसके साथ मारपीट कर दी। इसके बाद 6 नवंबर को अभिषेक ने धरनावदा थाने में भी लिखित आवेदन दिया था। पीड़ित का आरोप है कि अब महिला का जेठ हेमू कुशवाह उससे दो लाख रुपए की मांग कर रहा है और पैसे न देने पर झूठे केस में फंसाने की धमकी दे रहा है। पीड़ित पति अपने गहने और नकदी वापस पाने के लिए न्याय की गुहार लगा रहा है।

श्री नमन होटल में मिली लगभग 30 किलोग्राम खराब प्याज मौके पर ही नष्ट कराई

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

राजगढ़। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा निरंतर निरीक्षण एवं जांच की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को ए.बी. रोड सारंगपुर में मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के माध्यम से विभिन्न होटल एवं रेस्टोरेंट का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की मौके पर जांच की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी एस.एस. खत्री की उपस्थिति में की गई कार्रवाई के दौरान केमिस्ट संदीप प्रजापति द्वारा ए.बी. रोड स्थित होटल श्री नमन, काका होटल एंड रेस्टोरेंट, होटल शिमला, भाग्योदय होटल एंड रेस्टोरेंट एवं होटल सतगुरु कृपा सहित अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों में उपयोग किए जा रहे खाद्य पदार्थों की जांच की गई। इस दौरान हल्दी पाउडर, मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, आटा, मैदा, बेसन, सोयाबीन तेल, पनीर, ग्रेवी, जीरा, सौंफ एवं दालचीनी आदि खाद्य पदार्थों का नमूना निरीक्षण कर मौके पर परीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान होटल श्री नमन, ए.बी. रोड सारंगपुर के परिसर में रखी लगभग 30 किलोग्राम खराब एवं सड़ी हुई प्याज पाई गई, जिसे खाद्य कारोबारकर्ता से मौके पर ही नष्ट कराया गया। इसके अतिरिक्त एक दूध वाहन (पिकअप) से दूध के अलग-अलग नमूने लेकर रैपिड टेस्टिंग किट के माध्यम से मौके पर ही जांच की गई।खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री खत्री द्वारा संबंधित होटल एवं रेस्टोरेंट संचालकों को किचन की साफ-सफाई बनाए रखने, खाद्य पदार्थों का सुरक्षित भंडारण करने तथा किसी भी प्रकार की मिलावट नहीं करने के निर्देश दिए गए।

मूकबधिर बालक को कुछ ही घंटों में शिवपुरी के परिजनों से मिलाया

गुना। बाल सुरक्षा के लिए गठित विशेष किशोर पुलिस इकाई (एसजेपीयू) ने सराहनीय कार्य करते हुए एक भटके हुए मूकबधिर बालक को उसके परिजनों से सुरक्षित मिला दिया। गत दिवस मकसूदनगढ़ थाना क्षेत्र में रात्रि के समय एक मूकबधिर बालक लावारिस हालत में घूमता हुआ मिला था। भाषा समझ न आने के कारण स्थानीय स्तर पर उसकी पहचान नहीं हो सकी, जिस पर थाना प्रभारी गोपाल चौबे ने इसकी सूचना एसजेपीयू गुना को दी।

एसपी हितिका वासल के निर्देशन में विशेष किशोर पुलिस इकाई ने त्वरित कार्रवाई और संवेदनशीलता दिखाते हुए जानकारी जुटाई, जिससे पता चला कि बालक कोलारस जिला शिवपुरी का रहने वाला है। परिजनों को सूचना देकर गुना बुलाया गया, जिसके बाद एसजेपीयू और मधुसूदनगढ़ पुलिस टीम ने बाल कल्याण समिति के माध्यम से सभी औपचारिकताएं पूरी कर बालक को सकुशल उसके परिवार के सुपुर्द कर दिया। इस मानवीय कार्य में अनिल सिंह तोमर, उपनिरीक्षक पंजाब सिंह, आरक्षक आकाश सिकरवार, अमित लोधी, एफआरवी पायलेट हेमराज व बनवारी सहित बाल कल्याण समिति के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शहर में निकला श्याम भक्तों का टोला

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। भगवान श्री श्याम परिवार गुना द्वारा बाबा खाटू श्याम का जन्मोत्सव समारोह बड़े ही हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर पूरे शहर को दुल्हन की तरह सजाया गया था। समारोह के मुख्य आकर्षण के रूप में बाबा की एक भव्य और आकर्षक शाही पालकी सजाई गई, जिसमें बाबा खाटू श्याम विराजमान हुए।

बाबा की यह भव्य पालकी यात्रा शहर के हनुमान चौराहे से प्रारंभ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्याम भक्त शामिल हुए। यात्रा के दौरान भक्तिमय भजनों की धुन पर श्रद्धालु झूमते और थिरकते हुए नजर आए, जिससे पूरा वातावरण श्याममय हो गया। पालकी यात्रा जब शहर के हाट रोड, सदर बाजार और लक्ष्मीगंज सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, तो जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर बाबा का भव्य स्वागत किया। विभिन्न मार्गों का भ्रमण करने के पश्चात यह पालकी यात्रा जज्जी बस स्टैंड स्थित होटल नारायणा पहुंची। यहां बाबा खाटू श्याम की भव्य महाआरती की गई और इसके बाद सभी श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया गया।



बरबटपुरा में रात में स्मार्ट मीटर लगाने का किया गया भारी विरोध

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। शहर में स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर बिजली कंपनी और उपभोक्ताओं के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार रात करीब 9 बजे बरबटपुरा क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने पहुंची बिजली विभाग की टीम का स्थानीय उपभोक्ताओं ने कड़ा विरोध किया। रात के वक्त चुपचाप बिना अनुमति घरों में मीटर बदले जाने से नाराज लोगों ने विभाग के अमले को घेर लिया, जिससे मौके पर जमकर हंगामा हुआ।

उपभोक्ताओं का आरोप है कि बिजली कंपनी बिना किसी पूर्व सहमति के जबरन घरों में स्मार्ट मीटर लगा रही है। रात के समय अचानक हुई इस कार्रवाई से मोहल्ले में आक्रोश फैल गया और देखते ही देखते भारी भीड़ जमा हो गई। हालात बिगड़ते देख बिजली कर्मचारियों ने डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी। उपभोक्ता स्मार्ट मीटर तत्काल हटवाकर पुराने मीटर ही दोबारा लगवाने की मांग पर अड़े रहे। इस दौरान भीड़ और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई, जिसमें एक पुलिसकर्मी द्वारा यह कहे जाने का वीडियो भी सामने आया कि 'मैं कोई नेता हूं क्या?'

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- जितेंद्र कोठारी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. राऊखेड़ी, देवास रोड, इंदौर (म.प्र.) 453771 से मुद्रित एवं 107, प्रथम माला, स्वदेश भवन, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) 452011 से प्रकाशित। संपादक-राघवेंद्र*।
आरएनआई नं. एमपीबीआईएल/2020/80117, फोन- 0731 3144237, मो. 83570 89000, Email-mradubhashi.news@gmail.com। समाचार चयन के लिए पीआरपी एक्ट के तहत जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)